CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 227 ता. 05 मार्च 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

गऊ और मऊ को सताया गया मुख्तार के बेटे के संग खड़े होकर बोले अखिलेश यादव

मऊ । समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सपा गठबंधन में शामिल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (भाजपा) के प्रमुख ओपी राजभर के साथ मऊ में रैली की। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने सुभासपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को भी जितवाने की अपील की। अखिलेश ने मुख्तार का नाम लिए बिना कहा कि गऊ और मऊ को सताया गया है। इस दौरान मुख्तार का बेटा अखिलेश के पास खड़े होकर ताली बजाता नजर आया। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के नेताओं पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि वैसे तो हम लोग गंगा मैया का पानी हाथ में उठाकर सच बोलने की शपथ लेते हैं , लेकिन बीजेपी के लोग गंगा के पानी में स्नान करने के बाद भी झूठ बोलते हैं। कहने को तो बीजेपी दावा करती है कि दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन दुनिया में कोई पार्टी इतना झूठ नहीं बोलती होगी। देशभर के इनके नेता यूपी में आ गए हैं। इधर हमारे बाबा मुख्यमंत्री गर्मी निकालने की बात कह रहे थे। छड़ी और साइकिल ने उनकी गर्मी निकाल दी कि नहीं। मुझे लगता है कि मऊ के लोगों ने भाप निकालने की तैयारी कर ली है। मऊ के लोग तो इतना अखिलेश यादव ने कहा, बीजेपी का वोट सांड चर गए कि नहीं चर गए। अब कुछ लोग पछता रहे हैं। इनकी सरकार में मऊ भी सताया गया और गऊ भी सताई गई। गऊ और मऊ दोनों को सताया कि नहीं इन्होंने। अखिलेश यादव ने घोषणा पत्र के बड़े वादों का जिक्र करते हुए अब्बास अंसारी की मदद करने की अपील की। दारा सिंह सहित गठबंधन के सभी प्रत्याशियों को जितवाने की अपील करते हुए अखिलेश यादव ने सपा की सरकार बनने पर कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने का वादा किया।

सपा की सरकार आने पर अधिकारियों से होगा हिसाब-किताब

लखनऊ । यूपी में हो रहा विधानसभा चुनाव अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। छह चरणों की वोटिंग के बाद राज्य में सातवें और अंतिम चरण का मतदान 7 मार्च को होना है। सातवें चरण में राज्य के 9 जिलों की 54 सीटों पर वोटिंग होनी है। माफिया डॉन मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास का वीडियो वायरल हो रहा है। अब्बास अधिकारी को खुलेआम धमकी देते नजर आ रहे हैं। सपा सरकार बनने के बाद अधिकारियों से हिसाब-किताब करने की बात जनसभा में करते सुनाई दे रहे हैं। अब्बास अंसारी का ये वीडियो खूब वायरल हो रहा है। बता दें कि अब्बास अंसारी मऊ सदर सीट से सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर चुनावी मैदान में हैं। अब्बास ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से कह कर आया हूं। छह महीने तक किसी की ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं होगी।जो यहां है,वहां यहां ही रहेगा। पहले हिसाब-किताब होगा। उसके बाद उनके जाने पर मुहर लगेगी। अब्बास अंसारी के उत्तेजित भाषण का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। जिसकी वजह से उनके ऊपर एफआईआर भी दर्ज हुई और चुनाव आयोग की तरफ से मामले पर संज्ञान भी लिया गया। मऊ के पहाड़पुरा के मैदान में आयोजित जनसभा में बाहुबली शब्द पर अब्बास अंसारी ने कहा कि मीडिया मेरे पिता को बाहुबली बोलती है,तब मैं बाहुबली हूं। लाखों-करोड़ों बाहों का फल जिसके पास हो वह बाहुबली नहीं होगा।

यूक्रेन में फंसे हजारों छात्रों को लेकर बोले पीएम मोदी

संकट चाहे कितना भी गहरा, भारत के प्रयास उससे भी ज्यादा बड़े: मोदी

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन दिनों उत्तर प्रदेश में चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे हैं वहीं इस बीच शुक्रवार को पीएम मोदी ने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया इस सदी के नाजुक दौर से गुजर रही है और महामारी, अशांति, अनिश्चितता से अनेक देश प्रभावित हैं,लेकिन संकट चाहे कितना भी गहरा हो भारत के प्रयास उससे भी ज्यादा बड़े रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मिर्जापुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में वंदेभारत अभियान चलाकर एक-एक नागरिक को विदेश से लाया गया, अफगानिस्तान में आपरेशन देवी चलाकर भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकाला और अब यूक्रेन से अपने नागरिकों और छात्रों को बचाने में भारत लगा हुआ है। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन संकट का जिक्र करते हुए कहा कि हमने ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन से हजारों छात्रों को सुरक्षित रूप से निकाला है और शेष बचे लोगों को वहां से सुरक्षित निकालने के लिए हवाई जहाज लगातार उड़ान भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय पूरा विश्व इस शताब्दी के नाजुक दौर से गुजर रहा है।

महामारी, अशांति ,अनिश्चितता से अनेक देश प्रभावित हो रहे हैं लेकिन आप देख रहे हैं कि संकट चाहे कितना भी गहरा हो भारत के प्रयास उससे भी ज्यादा बड़े रहे हैं । अपने संबोधन में विपक्ष पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से कहा कि आप सभी को परिवारवादियों और माफियाओ को हराना है और उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाना है।

टिकाऊ ऊर्जा से ही भारत का सतत विकास संभव : पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सतत विकास के लिए ऊर्जा पर आधारित वेबिनार में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऊर्जा और सतत विकास हमारी पुरातन परंपराओं से प्रेरित है, भविष्य की आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं की पूर्ति का मार्ग है। भारत का स्पष्ट विजन है, कि सतत विकास सतत ऊर्जा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि टिकाऊ ऊर्जा से ही भारत का सतत विकास संभव है। शून्य देश बनने का वादा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2030 तक हमारा लक्ष्य गैर-जीवाश्म स्रोतों द्वारा अपनी स्थापित ऊर्जा क्षमता का 50 फीसदी प्राप्त करना है। भारत ने अपने लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित कर हम उन्हें अवसरों के रूप में देखते हैं। भारत पिछले कुछ वर्षों में उसी दृष्टि से उस सड़क पर आगे बढ़ा है। वर्ष के बजट में उच्च दक्षता वाले सौर मॉड्यूल निर्माण के लिए 19,500 करोड़ रुपए की घोषणा की गई है। इस कारण हमारी सरकार राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र उर्वरकों, रिफाइनरियों और परिवहन क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारत की क्षमता का पूर्ण उपयोग करने के लिए निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए। अक्षय ऊर्जा के साथ-साथ ऊर्जा भंडारण भी एक बड़ी चुनौती है। हमारी सरकार ने भंडारण क्षमता को भी बड़ी प्राथमिकता दी है। इस साल के बजट में हमने बैटरी स्वैपिंग पॉलिसी और इंटर-ऑपरेबिलिटी मानकों के लिए प्रावधान किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि स्थिरता के लिए ऊर्जा की बचत और उत्पादन समान रूप से महत्वपूर्ण है। हमें यहां भारत में अधिक ऊर्जा-कुशल एसी, हीटर, गीजर और इसतरह के उपकरणों के निर्माण के लिए बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। एलईडी बल्ब की कीमत 300-400 रुपए हुआ करती थी। हमारी सरकार ने इसका उत्पादन बढ़ाया, जिससे लागत कम हुई। हमने उजाला के तहत लगभग 37 करोड़ एलईडी बल्ब वितरित किए हैं।

ममता ने साधा मोदी सरकार पर निशाना, बोलीं- पहले क्यों नहीं उठाया कदम और अब...

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को युद्ध प्रभावित यूक्रे न में फंसे छात्रों को वापस लाने में केंद्र की भूमिका पर सवाल उठाया और उनकी स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने यूक्रेन से छात्रों को वापस लाने में केंद्र की ओर से देरी किये जाने का आरोप लगाया और आग्रह किया कि इस उद्देश्य के लिए पर्याप्त संख्या में उड़ानों की व्यवस्था की जाए । बनर्जी ने ट्वीट किया, मैं यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के जीवन को लेकर बहुत चिंतित हूं। जीवन बहुत कीमती है। उन्हें वापस लाने में इतना समय क्यों लग रहा है? पहले कदम क्यों नहीं उठाए गए? उन्होंने कहा, मैं केंद्र सरकार से आग्रह करती हूं कि तत्काल पर्याप्त संख्या में उड़ानों की व्यवस्था की जाए और सभी छात्रों को जल्द से जल्द वापस लाया जाए। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बृहस्पतिवार को कहा था कि यक्रे न में लगभग 20,000 भारतीय हैं और उनमें से लगभग 4,000 पिछले कुछ दिन में भारत लौट आए हैं। यूक्रे न में राजधानी कीव सहित विभिन्न हिस्सों में गोलीबारी, बमबारी और मिसाइल हमलों का सिलसिला जारी है।

क्वाड बैठक ने यूक्रेन संकट पर भारत-अमेरिका के बीच मतभेदों की अटकलों पर लगाया विराम

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन समेत क्वाड नेता यूक्रेन युद्ध के मद्देनजर नई मानवीय सहायता और आपदा राहत तंत्र बनाने पर राजी हो गए हैं, जिससे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण यह गठबंधन हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भविष्य की मानवीय चुनौतियों से निपटने और संवाद के लिए एक चैनल बना सकेगा। इन नेताओं ने यूक्रेन में बढ़ते संकट से निपटने पर भी चर्चा की। यूक्रेन संकट के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच मतभेद होने की सभी अटकलों को खारिज करते हुए पीएम मोदी और बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के साथ यूक्रेन-रूस संकट पर संयुक्त बयान जारी किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी क्वाड नेताओं के संयुक्त बयान में कहा गया कि क्वाड नेताओं ने यूक्रेन में चल रहे संघर्ष और मानवीय संकट पर चर्चा की और इसके व्यापक असर का आकलन किया। बयान के अनुसार, चारों नेता नई मानवीय सहायता और आपदा राहत तंत्र बनाने पर राजी हो गए, जिससे यूक्रेन में संकट से निपटने हुए क्वाड को हिंद-प्रशांत में भविष्य की मानवीय चुनौतियों से निपटने और संवाद के लिए चैनल मुहैया कराने में मदद मिलेगी।

कोरोना की तीसरी लहर में मरने वालों में से 92 फीसदी बिना टीकाकरण वाले

नई दिल्ली । 2022 में कोरोना की तीसरी लहर से जिन लोगों की मौत हुई, उसमें 92 फीसदी बिना टीकाकरण वाले थे। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ.वीके पॉल ने कहा, यह साफ है, कि टीकों और टीकाकरण कवरेज ने सैकड़ों लोगों की रक्षा करने में बहुत अहम भूमिका है। टीके ने देश को कोरोना के मामलों की संख्या में वृद्धि से बचाया है।- भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ.बलराम भार्गव ने कहा कि कोविड टीके की पहली खुराक कोविड से लड़ने में 98.9 प्रतिशत प्रभावी है। अगर दोनों खुराक लग जाती है, तब यह 99.3 प्रतिशत तक असरदार होती है। देश में वीकली कोविड पॉजिटिविटी रेट या 100 टेस्ट में से संक्रमित केस 0.99 फीसदी है। सक्रिय केस 77 हजार के करीब हैं। बीते 24 घंटे में करीब 6 हजार नए मामले सामने आए हैं। अग्रवाल ने कहा कि कोरोना की मौतों में भारत में तेज गिरावट देखी गई है। 2 से 8 फरवरी के बीच औसतन 615 मौतें दर्ज हुईं, जो पिछले हफ्ते 144 तक पहुंच गईं। इस तरह मृत्यु दर में 76.60 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख का बयान दर्ज करने दूसरे दिन मुंबई जेल में पहुंचे सीबीआई अधिकारी

मुंबई । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो सीबीआई अधिकारियों ने शुक्रवार को यहां आर्थर रोड जेल का दौरा किया और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के सिलसिले में लगातार दूसरे दिन उनका बयान दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जेल अधिकारी ने बताया कि सीबीआई ने गुरुवार सुबह से देशमुख का बयान दर्ज करना शुरू किया था और यह प्रक्रिया शुक्रवार को भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा, मध्य मुंबई की ऑर्थर रोड जेल में देशमुख फिलहाल कैद हैं, सीबीआई का दल सुबह करीब साढ़े 10 बजे पहुंचा। उन्होंने बताया कि इस दौरान पूर्व मंत्री के वकील भी मौजूद थे। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एनसीपी नेता अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वे न्यायिक हिरासत में हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह ने आरोप लगाया था कि तत्कालीन गृह मंत्री देशमुख ने मुंबई के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां और बार से प्रति माह 100 करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। देशमुख ने आरोपों से इनकार किया था हालांकि उन्हें अपना पद छोड़ना पड़ा था।

यूक्रेन के हालात को लेकर पीएम मोदी ने बुलाई उच्चस्तरीय बैठक

नई दिल्ली ।

यूक्रेन पर जारी रूस के हमले को लेकर ताजा हालातों के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अहम बैठक बुलाई है। कहा जा रहा है कि इस बैठक में यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को वापस लाने को लेकर व्यापक चर्चा हुई। पीएम मोदी के साथ इस बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। बता दें कि पीएम इस वक्त यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे जंग के चलते लगातार मीटिंग कर रहे हैं। वहां भारत के करीब 20 हजार स्टूडेंट्स फंसे हैं। हर रोज़ वहां से सैकड़ों की संख्या में छात्रों को वापस लाया जा रहा है। प्रधानमंत्री की ये बैठक ऐसे समय में हो रही है जब रूस ने यूक्रेन पर हमले तेज कर दिए हैं। इस हमले में मंगलवार को एक भारतीय छात्र की मौत भी हो गई। इसके अलावा आज एक और छात्र को गोली लगने की बात सामने आई है। इस बीच शुक्रवार सुबह एयरफोर्स के दो सी-17 एयरक्राफ्ट से यूक्रेन में फंसे 210 छात्रों की भारत वापसी हुई। ये दोनों विमान नई दिल्ली के करीब हिंडन एयरबेस पर उतरे। इन दोनों विमानों ने छात्रों को लेकर रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट और हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट से उड़ान भरी थी। नागर विमानन राज्य मंत्री वीके सिंह ने शुक्रवार को बताया कि यूक्रेन की राजधानी कीव में एक भारतीय छात्र कथित तौर पर गोली लगने से घायल हो गया है।

सिंह, इस समय युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए उसके पड़ोसी देश पोलैंड में हैं। सिंह, इस समय युद्धग्रस्त यूक्रे न में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए उसके पड़ोसी देश पोलैंड में हैं। मंत्री ने कहा हमें पता चला है कि कीव छोड़कर जा रहे एक छात्र को गोली लग गई है। उसे वापस कीव ले जाया गया है। युद्ध में ऐसा होता है। उधर भारत सरकार द्वारा तत्काल यूक्रेन के शहर खारकीव को छोड़ने का परामर्श जारी किए जाने के एक दिन बाद भी वहां फंसे तमाम छात्र युद्ध ग्रस्त पूर्वी यूक्रेन से सुरक्षित क्षेत्र में जाने का प्रयास कर रहे हैं। खारकीव में युद्ध तेज होने के बाद भारत ने बुधवार को अपने लोगों से कहा था कि वे तत्काल शहर से बाहर निकल जाएं, अगर उन्हें पैदल यात्रा करनी पड़े तब भी। वहीं रूस ने संघर्ष वाले क्षेत्र से भारतीयों को बाहर निकलने के संबंध में 'मानवीय कॉरिडोर' बनाने का वादा किया है। हालांकि, छात्रों का दावा है कि उन्हें अभी भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट आशीष मिश्रा की जमानत को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली ।

देश के सुप्रीम कोर्ट में यूपी के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में केन्द्र सरकार में मंत्री अजय मिश्रा के बेटे एवं मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर 11 मार्च को सुनवाई करने के लिए शुक्रवार को सहमत हो गया। इस हिंसा में चार किसानों सहित आठ लोग मारे गए थे। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण के नेतृत्व वाली एक पीठ ने वकील प्रशांत भूषण की उस दलील पर गौर किया कि मामले के अन्य आरोपी आशीष मिश्रा को दी गई राहत का हवाला देते हुए जमानत के लिए अदालत का रुख कर रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 'मैं मामले को 11 मार्च के लिए सूचीबद्ध कर सकता हूं। अन्य न्यायाधीश भी मौजूद होने चाहिए।' भूषण ने अदालत में दाखिल प्रतिवेदन में कहा कि उच्च न्यायालय ने मिश्रा को जमानत देते हुए कानून का पालन नहीं किया और उसके सबूतों से छेड़छाड़ करने सहित अन्य पहलुओं पर गौर नहीं किया। भूषण ने कहा कि अन्य आरोपी भी इस फैसले का हवाला देकर अब जमानत मांग रहे हैं। उन्होंने उच्च न्यायालय को यह निर्देश देने का अनुरोध किया कि वह फिलहाल अन्य आरोपियों की जमानत याचिका पर सुनवाई ना करे। पीठ ने कहा, 'उच्च न्यायालय के समक्ष ज्ञापन दाखिल करें कि हम मामले पर 11 मार्च को सुनवाई कर रहे हैं।' उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हिंसा में मारे गए किसानों के परिवारों के तीन सदस्यों ने मामले में मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई गौरतलब है कि किसानों का एक समूह उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की यात्रा के खिलाफ तीन अक्टूबर को प्रदर्शन कर रहा था।

केएमडी के सीएमडी की याचिका पर 15 मार्च को न्यायालय में सुनवाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड (केबीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संजय किर्लोस्कर की याचिका पर 15 मार्च को सुनवाई होगी। याचिका में बंबई उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है, इसके तहत संपत्ति से जुड़े पारिवारिक विवाद में मध्यस्थता का निर्देश दिया गया था। केबीएल की तरफ से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एएम सिंघवी ने मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की अध्यक्षता वाली पीठ से कहा कि दूसरा पक्ष मध्यस्थता और सुनवाई में बार-बार हो रहे स्थगन का फायदा उठा रहा है, वह प्रचार सहित अन्य गतिविधियों में शामिल है। सिंघवी ने पीठ से कहा, मध्यस्थता की अवधि और सुनवाई में लगातार जारी स्थगन का फायदा उठाकर दूसरा पक्ष प्रचार सहित अन्य प्रमोशनल गतिविधियां कर रहा है, जबकि मेरे मुकदमे पर स्टे लगा दिया गया है। अदालत ने दो बार इस सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया, पर यह सुनवाई के लिए नहीं आया। इस पीठ में न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली भी शामिल हैं। पीठ ने कहा, हम याचिका को 15 मार्च को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हैं, चार फरवरी को केबीएल ने अदालत को सूचित किया था कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश इंदु मल्होत्रा की मध्यस्थता में किर्लोस्कर परिवार के विवाद को सुलझाने की कोशिश नाकाम रही है। इसपर पीठ ने कहा था कि वह मामले की सुनवाई करेगी। इससे पहले, पीठ ने केबीएल द्वारा प्रतिवादी बनाने कारोबारी अतुल चंद्रकांत किर्लोस्कर और 13 अन्य लोगों से मामले को निपटाने के लिए मध्यस्थता के मुद्दे पर अपनी राय बताने का निर्देश दिया था। पिछले साल 27 जुलाई को शीर्ष अदालत ने किर्लोस्कर पारिवारिक विवाद मामले में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। पुणे की दीवानी अदालत में केबीएल द्वारा पारिवारिक समझौते के उल्लंघन के लिए हर्जाने की मांग किए जाने संबंधी मामले की सुनवाई में भी यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया गया था। मामले में शामिल पक्षों (किर्लोस्कर बंधु-अतुल और संजय किर्लोस्कर) से मध्यस्थता की संभावना तलाशने की बात कहकर पीठ ने किर्लोस्कर की याचिका पर नोटिस जारी किया था। अदालत ने सभी पक्षों से नोटिस पर जवाब दाखिल करने को कहा था। 130 साल से अधिक पुराने किर्लोस्कर समूह की संपत्ति से जुड़े पारिवारिक समझौते पर विवाद उस समय शीर्ष अदालत में पहुंच गया, जब संजय किर्लोस्कर ने बंबई हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी, जिसमें मध्यस्थता का निर्देश दिया गया था। किर्लोस्कर बंधुओं ने 2009 में पारिवारिक समझौता (डीएफएस) किया था। याचिका के मुताबिक, डीएफएस के तहत किर्लोस्कर इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस मैनेजमेंट स्टडीज (केआईएएमएस) और किर्लोस्कर फाउंडेशन (केएफ) से संबंधित विवादों को सर्वसम्मति से सुलझाया जाना है। इसमें कहा गया है कि यदि सर्वसम्मति नहीं बनती है,तब इस मुद्दे को दो मध्यस्थों-अनिल अलवानी और सीएच नानीवाडेकर के पास भेजा जाना है। याचिका के अनुसार, अगर दोनों मध्यस्थों की राय जुदा है तब विवाद को तीसरे मध्यस्थ श्रीकृष्ण इनामदार के हवाले किया जाना है। इसमें कहा गया है, कि डीएफएस स्पष्ट करता है, कि केवल के आईएएमएस और केएफ से संबंधित विवादों को मध्यस्थता के लिए भेजा जाएगा, न कि अन्य विवादों को। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि डीएफएस के एक अन्य प्रावधान में कहा गया है कि परिवार में कोई भी व्यक्ति कारोबार में किसी अन्य सदस्य के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करेगा।

यूक्रेन में बच्चे खतरे में, मोदी सरकार 'पीआर एजेंसी' बनी हुई हैः कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने यूक्रेन में भारतीय छात्र के कथित तौर पर गोली लगने से घायल होने की घटना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि यूक्रेन में भारतीय छात्र खतरे में हैं, लेकिन मोदी सरकार 'पीआर एजेंसी' बनी हुई है। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट किया, एक और छात्र को गोली लगी...यूक्रेन-रूस युद्ध में बच्चों पर हर पल खतरा है। मगर मोदी सरकार सिर्फ पीआर एजेंसी बनी हुई है। उन्होंने सवाल किया, जो हजारों बच्चे यक्रेन के अंदर भारी हमलों के बीच निकल नहीं पा रहे हैं, उन्हें कब निकालेंगे ? क्या चार मंत्रियों को सिर्फ ताली बजाने के लिए भेजा गया है ? सुरजेवाला ने राज्य मंत्री वीके सिंह के बयान को लेकर उन पर निशाना साधकर कहा, बमों/मिसाइलों के हमलों में 9 दिनों से फंसे बच्चों को मोदी सरकार के मंत्री कह रहे हैं, कि अल्टीमेटम था,तब पहले क्यों नहीं निकले, थोड़ा लंबा रास्ता तय करके आ जाइये, जब आप सारे खतरों से बचकर आ जाएंगे,तब हम आपकी अगवानी कर लेंगे.....। ये देश के मंत्री हैं या ट्रैवल एजेंट?'' गौरतलब है कि वी के सिंह ने बताया कि कीव में भारतीय छात्र कथित तौर पर गोली लगने से घायल हो गया है। सिंह, इनदिनों युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए उसके पड़ोसी देश पोलैंड में हैं। मंत्री ने कहा, आज, हमें पता चला है, कि कीव छोड़कर जा रहे एक छात्र को गोली लग गई है। उसे वापस कीव ले जाया गया है। युद्ध में ऐसा होता है।''

भागलपुर में विस्फोट से हुई जनहानि पर पीएम मोदी ने नीतिश से की बात

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर में विस्फोट से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बातचीत कर वहां जारी राहत और बचाव कार्यों का जायजा लिया। पीएमओ ने ट्वीट में कहा, बिहार के भागलपुर में धमाके से हुई जनहानि की खबर पीड़ा देने वाली है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। घटना से जुड़े हालात पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी बात हुई। प्रशासन राहत और बचाव कार्यों में लगा हुआ है और पीड़ितों को हर संभव सहायता दी जा रही है।

जीजा ने साली को कुएं में फेंका, पुलिस ने दो दिन बाद जिंदा खोज निकाला

अलवर । राजस्थान के अलवर में दो दिन से लापता 17 वर्षीय छात्रा घायल अवस्था में कुएं में पड़ी मिली। मामले में पुलिस ने आरोपी जीजा को हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम के मुताबिक,2 मार्च 2022 से लापता लड़की को ढूंढने की कोशिश में पुलिस जुटी थी।सीसीटीवी फुटेज और आरोपी जीजा की निशानदेही पर लड़की को सूखे कुएं से बरामद किया।करीब 35 घंटे लंबे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद लड़की को बाहर निकाला गया। जांच के दौरान इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाला,तब लड़की अपने जीजा के साथ जाती दिखी। इस आधार पर जीजा से पूछताछ की,तब पता चला कि उसने लड़की का गला घोटकर कुएं में फेंक दिया था। इसके बाद खाली प्लॉट में बने कुएं से उस लड़की को निकाला। देखा कि लड़की की सांसे चल रही थीं। इसबारे में आरोपी जीजा को हिरासत में ले पूछताछ जारी है। वहीं, छात्रा की हालत गंभीर बनी हुई है, इसकारण लड़की को जयपुर रेफर कर दिया गया है।पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी ने बताया कि लड़की के परिजनों ने कोतवाली थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

गुजरात में होने वाली डिफेंस एक्सपो 2022 स्थगित, जल्द बताएंगे नई तारीख

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, प्रतिभागियों द्वारा अनुभव की जा रही लॉजिस्टिक समस्याओं के कारण, गांधीनगर, में 10 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित होने वाले डिफेंस एक्सपो 2022 को स्थगित किया गया है। नई तारीखों के बारे में उचित समय पर सूचित किया जाएगा। बता दें कि डिफेंस एक्सपो में रक्षा मंत्रालय देश की सैन्य ताकत प्रणाली का प्रदर्शन करता है। इसमें दूसरे देश और रक्षा सामान बनाने वाली कंपनियां भी हिस्सा लेती हैं। रक्षा मंत्रालय डिफेंस एक्सपो का आयोजन हर दो साल में करती है। पिछली बार डिफेंस एक्सपो का आयोजन 5-9 फरवरी, 2020 को लखनऊ में हुआ था, जिसमें कई देशों ने हिस्सा लिया था और 12 लाख से ज्यादा लोग इसे देखने पहुंचे थे।

फैशन डिजाइनर और ट्रांसवुमन साइशा बोली- परिवार की शादी में पहुंचीं तो लोग उसे ही निहार रहे थे

मुंबई । ओटीटी प्लेटफर्म पर लॉकअप के शो पर प्रतिस्पर्धी अपनी जिंदगी से जुड़े अनुभवों को साझा कर रहे हैं। उनकी ये स्टोरीज सुर्खियों में हैं। अब लॉकअप की कैदी साइशा शिदे ने अपने सेक्स रीअसाइनमेंट सर्जरी और इस पर परिवार के रिऐक्शन पर बात की। साइशा जानी-मानी फैशन डिजाइनर और ट्रांसवुमन हैं। साल 2021 में वह स्वपनिल से साइशा बनीं। साइशा ने बताया कि उनके इरादे मजबूत थे। जिन्हें जानने के बाद मां-बाप भी मान गए। हालांकि जिन साइकिआट्रिस्ट के पास वह काउंसिलिंग के लिए गए थे उन्होंने सर्जरी के लिए मना किया। बता दें कि लॉकअप की होस्ट कंगना रनौत हैं। साइशा से पहले पूनम पांडे और निशा रावल के खुलासे भी सुर्खियों में रह चुके हैं। बीते दिनों साइशा शिदे उस वक्त सुर्खियों में आईं जब हरनाज सिंधु को मिस यूनिवर्स का ताज मिला। हरनाज का फिनाले गाउन फैशन डिजाइनर साइशा ने डिजाइन किया था। साइशा अब कंगना रनौत के लॉकअप में हैं और साथी कैदियों के साथ अपनी जिंदगी के किस्से साझा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वह जब साइकिआट्रिस्ट्स से मिलीं तो पहले तीन डॉक्टर्स ने उन्हें सर्जरी करवाने से मना किया था। उन्होंने बताया, मैं बहुत हट्टा-कट्टा सा था। मुझे देखकर साइकिआट्रिस्ट बोले, ये तुम क्या कर रहे हो, यह गलत है। तुम इतने हैंडसम हो, ये सब करने की जरूरत नहीं है। यह एक फेज है, निकल जाएगा। साइशा ने बताया कि उनके पिता ने साथ दिया और मां को भी यह बात स्वीकारने में एक दिन लगा। ने साथ दिया और मां को भी यह बात स्वीकारने में एक दिन लगा। अगले दिन दोनों ने मुझे बुलाकर नाम सुझाए। साइशा ने बताया कि उनका लुक बदल जान के बाद उनकी फैमिली ने उन्हें देखा नहीं था। वह बताते हैं, मुझे कजन की शादी में बुलाया गया। जैसे ही मैं पहुंचा, पूरा शादी का हॉल पलटकर मुझे देखने लगा। सभी ने अच्छे से स्वागत किया। मेरे अंकल ने साथ में तस्वीर खिंचवाई।

अखिलेश का तंज..बाबा 10 मार्च के बाद बुल और डॉग से खेलने वाले

लखनऊ ।

यूपी की सियासत में बुल्डोजर का जिक्र छिड़ा, तब फिर रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सीएम योगी की जनसभाओं में लगातार बुल्डोजर दिख रहा है, इतना ही नहीं योगी 10 मार्च के बाद फिर बुल्डोजर को तेज रफ्तार से चलाने का दम भरकर गुंडों-माफियाओं को ललकार भी रहे हैं। दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी बुल्डोजर को लेकर सीएम योगी पर वार कर रहे हैं। उन्होंने फिर एक वीडियो शेयर कर सीएम पर योगी तंज कसा। अखिलेश ने लिखा बुलडोजर बाबा अब खाली होकर बुल और डॉग से खेलने वाले हैं, इस वीडियो में दो जेसीबी दिख रही हैं, जिस पर एक युवक साइकिल जम्प कराते हुए करतब दिखाता नजर आ रहा है। उधर, तीन मार्च को छठे चरण का मतदान होने के बाद राजनीतिक दल और नेता सातवें चरण के लिए प्रचार अभियान में जुट गए हैं। भाजपा की ओर से पीएम मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, सीएम योगी और तमाम बड़े नेता ने वाराणसी और सातवें चरण के मतदान वाले अन्य इलाकों में धुआंधार कैम्पेन अभियान चलाए हुए हैं। उधर, अखिलेश यादव भी ताबड़तोड़ जनसभाएं कर भाजपा पर हमले में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दोनों ओर से जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। इन आरोप-प्रत्यारोपों के बीच बुल्डोजर भी इस बार के चुनाव प्रचार अभियान का हिस्सा है। योगी और अखिलेश दोनों इसका अपने-अपने ढंग से उल्लेख कर रहे हैं। सीएम योगी जहां माफियाओं और गुंडों की संपत्ति को रौंदने वाला बताकर 10 मार्च के बाद फिर बुल्डोजर की रफ्तार बढ़ने का दावा कर रहे हैं। वहीं अखिलेश आरोप लगा रहे हैं कि बुल्डोजर सभी माफियाओं के यहां नहीं जाता। लखीमपुर खीरी हिंसा का बार-बार जिक्र कर अखिलेश सवाल उठाते हैं, कि किसानों पर गाड़ी चढ़ाने वालों की संपत्ति पर बुल्डोजर कब चलेगा। योगी ने गाजीपुर में कहा, इस जिले में भाजपा के नेता की हत्या हुई। सपा ने अपराधियों के सामने घुटने टेके थे। जो सपा के समय तमंचा लहराते थे, आज वे कीड़े की तरह रेंगते हैं। व्हीलचेयर पर आज वे अपराधी जान की भीख मांगते हैं। उन्होंने कहा, मैं देख रहा हूं कि मेरी सभा में बुलडोज़र भी खड़ा है। ये वहीं बुलडोजर है, जिसने गाजीपुर को लखनऊ से एक्सप्रेस-वे के माध्यम से जोड़ा है। इससे जो एक्सप्रेस वे बनते हैं, वो भी विकास है और जो गरीबों के पैसे पर डकैती डालता है, जब उस पर बुलडोजर चलता है, वो भी विकास है। विकास और बुलडोजर दोनों साथ काम करते हैं। इसके लिए दमदार सरकार चाहिए।

संत श्री रामानुजाचार्य की स्मृति में पीएम मोदी ने राष्ट्र को समर्पित किया स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी

हैदराबाद । सामाजिक समानता के सिद्धांत को लागू करने की वकालत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा में शामिल है ऐसे में शनिवार को हैदराबाद के शमशाबाद में स्थित मंदिर में 11वीं सदी के संत श्री रामानुजाचार्य की स्मृति में 'स्टैच्यू ऑफ इक्वेलिटी' राष्ट्र को समर्पित किया। इस मूर्ति की ऊंचाई 216 फीट है। मूर्ति में संत को हाथ जोड़कर पद्मासन में बैठे हुए दिखाया गया है। मूर्ति 'पंचलोहा' से बनी है, जो पांच धातुओं- सोना, चांदी, तांबा, पीतल और जस्ता का एक संयोजन है। यह दुनिया में बैठने की स्थिति में सबसे ऊंची धातु की मूर्तियों में से एक है। इस प्रतिमा को 'भद्र वेदी' नामक 54 फीट ऊंचे आधार भवन पर लगाया गया है, जिसमें वैदिक डिजिटल पुस्तकालय और अनुसंधान केंद्र, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, एक थिएटर, एक शैक्षिक गैलरी के लिए समर्पित फर्श हैं, जहां श्री रामानुजाचार्य के कई कार्यों का विवरण है। प्रतिमा की परिकल्पना श्री रामानुजाचार्य आश्रम के श्री चिन्ना जीयर स्वामी ने की थी, जिसे अब मूर्त रूप दिया गया है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी का उद्घाटन 12 दिवसीय श्री रामानुज सहस्राब्दी समारोह का हिस्सा है, जो श्री रामानुजाचार्य की 1000वीं जयंती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी स्थित पाटनचेरु में अर्द्ध उष्ण कटिबंधीय के लिए । अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) परिसर का दौरा कर संस्थान की 50वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत करते हुए 'डिजिटल कृषि' को भारत का भविष्य बताया और कहा कि देश के प्रतिभावान युवा इसमें बेहतरीन काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार का विशेष ध्यान देश के उन 80 प्रतिशत से अधिक छोटे किसानों पर है और वह उन्हें हजारों कृषि उत्पादक संगठनों (एफपीओ) में संगठित करके एक जागरूक और बाजार की बड़ी ताकत बनाना चाहती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार के आम बजट में प्राकृतिक खेती और 'डिजिटल एग्रीकल्चर' पर अभूतपूर्व बल दिया गया है।

ट्रेन के इंजन में सवार थे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कराई गई आमने-सामने की टक्कर

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने आधुनिक तकनीक कवच का सफल परीक्षण किया है। यह तकनीक ट्रेनों के आमने-सामने आने की स्थिति में उनकी टक्कर को रोकने का काम करेगी। शुक्रवार को सिकंद्राबाद में इस तकनीक का परीक्षण हुआ। इस दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव खुद ट्रेन के इंजन पर सवार थे। इसके अलावा दूसरी ट्रेन में रेलवे बोर्ड के चेयरमैन समेत विभाग के दूसरे अधिकारी थे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से इस अनोखे परीक्षण के वीडियो भी ट्विटर पर शेयर किए गए हैं। परीक्षण के दौरान जिस ट्रेन में रेल मंत्री सवार थे, वह सामने से आ रही गाड़ी से 380 मीटर पहले ही रुक गई। दरअसल कवच तकनीक के चलते ऐसा हुआ और ट्रेन में अपने आप ही ब्रेक लग गए। यह एक सेंसर तकनीक है, जिसके जरिए आमने-सामने ट्रेन के आने पर गाड़ी खुद ही रुक जाएगी। रेलवे ने हादसों को टालने के लिए इसकी शुरुआत की है। रेल मंत्री द्वारा एक मिनट का वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें लोकोपायलट वाले केबिन में रेल मंत्री समेत अन्य अधिकारी दिखाई दे रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया, रियर-एंड टक्कर परीक्षण सफल रहा है। कवच ने अन्य लोको से 380 मीटर पहले लोको को स्वचालित रूप से रोक दिया। बता दें कि भारतीय रेलवे लगातार कवच अन्य लोको से 380 मीटर पहले लोको को स्वचालित रूप से रोक दिया। बता दें कि भारतीय रेलवे लगातार कवच तकनीक पर काम कर रही थी,। बता दें कि भारतीय रेलवे लगातार कवच अन्य लोको से 380 मीटर पहले लोको को स्वचालित रूप से रोक दिया। बता दें कि भारतीय रेलवे लगातार

कवच तकनीक पर काम कर रही थी, जिसके तहत वह भविष्य में जीरो एक्सीडेंट के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है।

इसी के तहत शुक्रवार को यह परीक्षण किया गया। रेलवे मंत्री ने कहा कि यह तकनीक पूरी तरह से भारत में ही विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक को उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों के तहत प्रमाणितकिया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि इस तकनीक को हम पूरे रेलवे सिस्टम में लागू करेंगे। उनका कहना था कि इस तकनीक को तेजी से भारत में लागू किया जाएगा।

इसके अलावा दूसरे देशों को भी यह तकनीक बेची जाएगी। उन्होंने कहा कि फिलहाल 2000 किलोमीटर ट्रैक पर इसे लगाने वाले हैं। इसके बाद हर साल 4 से 5 हजार किलोमीटर के रूट पर इस तकनीक को लगाया जाएगा।

माफिया के कब्जेवाली जमीन पर गरीबों के लिए मकान बना रहे : अमित शाह

गाजीपुर ।

केन्द्रीय गृह मंत्री और भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश का चुनाव राज्य के पिछड़े और दलित समुदाय के लाखों लोगों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए है। शाह ने अपने संबोधन में योगी सरकार की उपलब्धियां गिनाकर कहा कि उनकी पार्टी के फिर से सत्ता में आने पर होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। शाह ने कहा, भाजपा ने देश में गरीबों के विकास के लिए काम किया है और उन्हें मुफ्त राशन, चिकित्सा सुविधाएं, आवास प्रदान किया है और यह सुनिश्चित किया है कि उनके घरों को बिजली मिले। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने सीधे किसानों के बैंक खातों में पैसा भेजा है, और हमने वादा किया है कि अगर भाजपा सत्ता में आती है,तब किसानों को अगले पांच साल तक बिजली का बिल भरने की आवश्यकता नहीं होगी। बाहुबली मुख्तार अंसारी और अतीक अहमद का जिक्र कर शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के शासनकाल में उन्हें जेल भेजा गया है।

शाह ने दावा किया, हम उस जमीन पर गरीबों के लिए आवास बना रहे हैं, जिस पर कभी पिछली सरकारों के दौरान माफियाओं का कब्जा था। उन्होंने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधकर कहा अखिलेश एक आंख से केवल एक समुदाय को देखते हैं, जिसका हम हिस्सा नहीं हैं और दूसरी आंख से केवल एक ही जाति के लोगों को देखते हैं। शाह ने दावा किया कि भाजपा के शासन में राज्य में अपराध की घटनाओं में तेजी से कमी आई है। उन्होंने कहा, हमने नए राजमार्ग बनाकर संपर्क बढ़ाया है और सभी के विकास के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुफ्त कोरोना टीके उपलब्ध कराकर देश के लोगों को सुरक्षित किया है और उत्तर प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन भी दिया है। उन्होंने जनता से भाजपा को जिताने की अपील की। गाजीपुर में सात मार्च को मतदान होगा।

अलगाव वादी नेता रहे सैयद अली गिलानी के घर से हटाई गई सुरक्षा

कश्मीर । कश्मीर में अलगाव वादी नेता सैयद अली गिलानी की मौत के छह महीने बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने गिलानी के घर से सुरक्षा हटा ली है। सुरक्षा हटाते हुये सुरक्षाकर्मीयों को वापस उन्हें अपने आलाधिकारियों को रिपोर्ट करने के आदेश दिया गया है। कल देर रात गिलानी के घर से सभी सुरक्षाकर्मियों को वहां से हटा लिया गया। यह पहली बार है जब 1990 के बाद गिलानी का घर अब बिना सुरक्षा कवर के रहेगा। 1990 में पहली बार गिलानी के घर के बाहर सुरक्षा घेराबंदी की गई थी। हालांकि सैयद अली गिलानी कभी भी राज्य के संरक्षण में नहीं थे और उन्होंने व्यक्तिगत सुरक्षा लेने से इंकार कर दिया था। हालांकि उस समय तात्कालिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये उनके घर को सुरक्षा मुहैया कराई गई थी। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें लगभग एक दशक तक नजरबंद रखा गया था और नजरबंदी को लागू करने के लिए सुरक्षा को स्थायी रूप से वहां तैनात किया गया था।

नौकरानी ने बुजुर्ग मालकिन से की क्रूरता, आंखों में डाला नकली आई ड्रॉप, किया अंधा

हैदराबाद ।

एक नौकरानी ने अपनी बुजुर्ग मालकिन से ऐसी क्रूरता की वह अंधी हो गई। घर में चोरी करने के चक्कर में 73 साल की एक बुजुर्ग महिला को अंधा कर दिया। केयरटेकर का काम करने वाली पी भार्गवी नाम की इस महिला ने अपनी मालिकन को अंधा करने के लिए हार्पिक और झंडू बाम का एक आई ड्रॉप तैयार किया। नौकरानी ने अपना गुनाह कबूल कर लिया है। फिलहाल पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया है। ये पूरा मामला पिछले साल अक्टूबर का है। अंग्रेजी अखबार के मुताबिक 73 वर्षीय हेमवती नचाराम श्रीनिधि अपार्टमेंट में अकेली रहती हैं। लंदन में रहने वाले उनके बेटे शशिधर ने अगस्त 2021 में भार्गवी को अपनी मां की देखभाल के लिए रखा था। भार्गवी अपनी सात साल की बेटी के साथ हेमवती के फ्लैट में रहने लगी। पिछले साल अक्टूबर में जब उसने हेमवती को अपनी आंखें मलते हुए देखा, तो भार्गवी ने कहा कि वो कुछ आई ड्रॉप डाल देगी जिससे उन्हें आराम मिल जाएगा। उसने चुपचाप बाथरूम क्लीनर हार्पिक और झंडू बाम को पानी में मिलाया झंडू बाम को पानी में मिलाया और उनकी आंखों में डाल दिया। चार दिनों के बाद, हेमवती ने अपने बेटे को बताया कि उसे आंख में संक्रमण हो गया है । जिस पर शशिधर ने उसे पास के एक निजी अस्पताल में जाने के लिए कहा। इसी बीच भार्गवी ने 40,000 रुपये नकद, दो सोने की चूड़ियां, एक सोने की चेन और कुछ अन्य ज्वेलरी चुरा लिए। जब हेमवती की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। तो उनकी बेटी उषाश्री ने उन्हें फिर से अस्पताल ले कर गईं। लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। जल्द ही, 73 साल की महिला की आंखों की रोशनी पूरी तरह से खत्म हो गई। जिसके बाद शशिधर हैदराबाद आ गए और अपनी मां को एलावी। प्रसाद नेत्र अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने बताया कि अंधेपन का कारण आंखों में जहरीला घोल डालना है। इसके बाद परिवार ने भार्गवी पर शक हुआ।

वहां डॉक्टरों ने बताया कि अंधेपन का कारण आंखों में जहरीला घोल डालना है। इसके बाद परिवार ने भार्गवी पर शक हुआ। फिर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पूछताछ करने पर भार्गवी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। बुधवार को उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला की बढ़ीं मुश्किलें

नई दिल्ली ।

वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला की मुसीबत कम होने का नाम नही ले रही है। कुछ दिनों पहले उनके खिलाफ महाराष्ट्र में पुणे पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी और अब ऐसा ही मिलता जुलता एक और मामला उनके खिलाफ मुंबई पुलिस ने दर्ज किया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया की आरोप है कि रश्मि जब एसआईडी की चीफ थीं तब उन्होंने गलत तरीकों का इस्तेमाल करके कुछ फोन टैप करवाए थे और उनका यह करना गलत था। इन आरोपों की जांच करने के लिए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया की शुक्ला के खिलाफ मुंबई पुलिस ने आईपीसी की धारा 166 और टेलीग्राफिक एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बताया की आरोप है कि जब रश्मि एसआईडी प्रमुख थीं तभी उन्होंने अपने पद का गलत इस्तेमाल कर अवैध रूप से कुछ फोन की टैपिंग करवाई थी। आपको बता दें की शुक्ला के खिलाफ 26 फरवरी को भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पुणे पुलिस आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान 2015 और 2019 के बीच राजनेताओं के फोन की कथित अवैध टैपिंग के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी।जिसके बाद रश्मि शुक्ला ने अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसी याचिका की सुनवाई के दौरान मुंबई

हाई कोर्ट ने रश्मि को राहत देते हुये उनके खिलाफ 25 मार्च तक कोई कठोर कार्रवाई नहीं करने के आदेश दिए हैं। शुक्ला फिलहाल हैदराबाद में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) दक्षिण क्षेत्र के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। शुक्ला ने इस सप्ताह की शुरुआत में अपने वकील समीर नागरे के माध्यम से याचिका दायर की थी। एफआईआर रद्द करने की मांग करते हुए शुक्ला ने अपनी याचिका में कहा है कि उन्हें मामले में झूठा फंसाया जा रहा है और वह राजनीतिक वेंडेटा की शिकार थीं।

जलवायु परिवर्तन ने खाद्य आपूर्ति व्यवस्था किया प्रभावित, दुनिया में तेजी से बढ़ेगी गरीबी

नई दिल्ली । मौसम के बदलते मिजाज यानि जलवायु परिवर्तन से वैश्विक अर्थव्यवस्था को खासा प्रभावित किया है। इस पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया तो यह दुनिया भर के करोड़ों लोगों को भुखमरी और गरीबी की ओर ढकेल देगा। इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक जलवायु परिवर्तन को लेकर वैज्ञानिकों ने जो अनुमान लगाए हैं। यह उससे ज्यादा तेजी से असर डाल रहा है। उस पर तमाम देश अपने कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाने में भी विफल रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि इस वजह से जलवायु परिवर्तन का चौतरफा असर पड़ रहा है। इससे एक तरफ जहां कृषि, वानिकी, मत्स्य, ऊर्जा, पर्यटन सहित बाहर काम करने वाले श्रमिकों की उत्पादकता पर असर पड़ा है। वहीं, व्यक्तिगत स्तर पर इसने इंसानों की सेहत, खाद्य सुरक्षा, घरों और संपत्ति के नष्ट होने, आय के साथ-साथ सामाजिक और लैंगिक समानता पर भी असर डाला है। इस रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2050 तक कम आय वाले देशों में करीब 183 मिलियन लोग कुपोषित हो जाएंगे। और इससे निपटने में मदद के लिए और निवेश की जरूरत होगी। यह रिपोर्ट दुनिया भर में ईंधन के बढ़ते दामों और मुद्रास्फीति के बीच आई है। आईएनजी बैंक के अर्थशास्त्री सेम्युअल एबेट्टन का कहना है कि रिपोर्ट बताती है कि जलवायु परिवर्तन से जूझने के लिए और इससे निपटने में मदद के लिए और निवेश की जरूरत होगी। यह रिपोर्ट दुनिया भर में ईंधन के बढ़ते दामों और मुद्रास्फीति के बीच आई है। आईपीसीसी की रिपोर्ट पूरी तरह से इस बात पर केंद्रित है कि तापमान में बढ़ोतरी की वजह से कुछ भी नहीं कर पाने से किस तरह मुद्रास्फीति का खतरा बढ़ सकता है। क्योंकि तापमान में इजाफा होने से किसान और खेतों में काम करने वाले मजदूरों की उत्पादकता पर असर पड़ेगा और इससे उनकी कमाई में भी कमी आएगी, जिससे वह दूसरे क्षेत्र की तरफ रुख करेंगे। इससे खाद्य उत्पादकता में कमी और खाद्य पदार्थों के दामों में इजाफा होने जैसे नकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। यह सब घटनाएं दुनिया को गरीबी, आर्थिक और सामाजिक असमानता की ओर धकेलेगी।

सांसद ने कहा, पुतिन की हत्या कर देनी चाहिए, भड़क गया रुस

वाशिंगटन ।

यूक्रेन-रूस की जंग के बीच अमेरिकी सांसद ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हत्या की वकालत की है। इस पर रूस की सख्त प्रतिक्रिया आई है। बता दें कि अमेरिका के सिनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा था, कि रूस में से ही किसी को पुतिन की हत्या कर देनी चाहिए, तब ही यह युद्ध (यूक्रेन संग) रुकेगा। लिंडसे ग्राहम ने कहा था कि पुतिन की हत्या के लिए रूस में किसी को सामने आना होगा। इस जंग को तब ही खत्म किया जा सकता है। ग्राहम ने ब्रूटस और कर्नल स्टॉफोनबर्ग की भी जिक्र किया। ब्रूटस ने ही जूलियस सीजर (रोमन जनरल) की हत्या थी। वहीं कर्नल स्टॉफोनबर्ग ने 20 जुलाई, 1944 को एडॉल्फ हिटलर की हत्या की कोशिश की थी। सांसद ने कहा कि अगर आप अपनी बची जिंदगी को अंधेरे में नहीं देखना चाहते हैं, घोर गरीबी से खुद को दूर रखना चाहते हैं, तब किसी न किसी को यह कदम उठाना होगा।सिनेटर ग्राहम के बयान पर रूसी प्रतिक्रिया भी आई है। रूसी दूतावास की तरफ से कहा गया है कि ग्राहम की पुतिन की कत्ल करने की बात अपराध है। अमेरिका में मौजूद रूसी राजदूत ने कहा कि यूएस को इस पर आधिकारिक सफाई देनी चाहिए। यूक्रेन के साथ रूसी जंग शुरू होने के बाद से ही रूस पर प्रतिबंध लगने का दौर शुरू हो चुका है।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने युद्ध में अपनी सेना तो नहीं भेजी है, लेकिन रूस पर तमाम तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस के लिए अमेरिका का एयरस्पेस भी बंद कर दिया है। हालांकि, अमेरिका ने रूस को एक ऑफर भी दिया है। अमेरिका ने कहा है कि अगर रूसी सेना यूक्रेन में जारी युद्ध को समाप्त कर देती है,तब उन पर लगे प्रतिबंधों को हटाया जा सकता है। लेकिन स्पष्ट कहा गया है कि यूक्रेन पर जारी सैन्य कार्रवाई को रोकना पड़ेगा। अभी तक रूस की तरफ से इस प्रस्ताव पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

मेलिंडा गेट्स ने कहा, मैंने बिल गेट्स को एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में माफ कर दिया

वाशिंगटन ।

माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर और विश्व के सबसे अमीर व्यक्तियों में शुमार बिल गेट्स ने अपनी पत्नी मेलिंडा गेट्स से शादी के 27 सालों बाद मई 2021 में अलग होने का फैसला कर लिया था।मेलिंडा गेट्स ने पहली बार बिल गेट्स से अपने तलाक के कारणों पर बात की है। मेलिंडा ने बिल गेट्स के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर पर कहा कि उन्होंने बिल को इसके लिए माफ भी कर दिया था। फिर भी एक वक्त के बाद दोनों के रिश्ते में ऐसा कुछ रह नहीं गया था जहां वो एक कपल के तौर पर साथ में जिंदगी गुजार सकें। मेलिंडा ने इंटरव्यू में बिल गेट्स के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को लेकर कहा, मैं निश्चित रूप से माफ करने में विश्वास करती हूं, इसलिए मुझे लगा था कि हम फिर से अपने रिश्ते को संभाल लेने वाले है। मेलिंडा से तलाक की घोषणा के बाद ही बिल के प्रवक्ता ने बिल गेट्स के 20 साल पुराने एक्सट्रा मैरिटल अफेयर की जानकारी दी थी। मेलिंडा से शादी में रहने के दौरान ही बिल का ये अफेयर शुरू हुआ था। मेलिंडा ने कहा, वहां कोई एक वजह नहीं थी या फिर एक अकेली ऐसी बात नहीं थी जो हमारे बीच हुई। एक वक्त ऐसा आया जब हम दोनों के बीच कुछ नहीं रहा और मुझे लगा कि ये ठीक नहीं है। हमारे बीच जो भी हुआ उसके बाद मैं विश्वास नहीं कर सकती थी। मेलिंडा ने बताया कि जब वो बिल से अलग हुईं, तब कई दिनों तक खूब रोई थीं। उनकी जिंदगी में कई मौके आए जब उन्हें अपनी शादी टूटने पर बेहद गुस्सा आया। उन्होंने बताया, वहां मेरे शोक का समय था। जब आप ऐसा कुछ खो देते हैं ।

जो आपने सोच रखा था कि वहां आपके पास जीवन भर रहने वाला है, तब आप शोक मनाते हैं। मेलिंडा ने बताया कि अब वो उस दुख से निकल रही हैं और जिंदगी में आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें लगता है कि अब वो जीवन के दूसरे पहलू को देखने की कोशिश कर रही हैं और अब ठीक हो रही हैं।

परमाणु प्लांट में आगजनी के बाद जानसन ने जेलेंस्की से की बात, रहा इस पर आपात बैठक बुलाए यूएन

लंदन ।

यूरोप के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने की घटना को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत की है। जानसन ने न्यूक्लियर प्लांट की घटना पर चिंता प्रकट की। जानसन ने जेलेंस्की से कहा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई अब यूरोप की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। जानसन ने आगे कहा कि ब्रिटेन यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि स्थिति और न बिगड़े। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग करेंगे और ब्रिटेन इस मुद्दे को रूस और करीबी सहयोगियों के साथ तुरंत उठाएगा। उल्लेखनीय है कि रूसी सेना की गोलाबारी के बाद यूरोप के सबसे बड़े परमाणु प्लांट के रिएक्टरों में आग लग गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना ने परमाणु प्लांट पर हमला किया है। जेलेंस्की ने ट्वीट कर कहा कि यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु प्लांट खतरे में है। इससे पहले, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा था कि रूस परमाणु प्लांट पर लगातार गोलीबारी कर रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट के शीर्ष नेता ने सीमा पर नस्लीय भेदभाव खत्म करने का यूक्रेन सरकार से आग्रह किया

वाशिंगटन ।

अमेरिकी सीनेट के शीर्ष नेता ने यूक्रेनी सरकार से उसकी सीमा पर हो रहे नस्लीय भेदभाव को समाप्त करने का आग्रह किया है। युद्धग्रस्त यूक्रेन छोड़कर जा रहे कई छात्रों ने सीमा पर नस्लीय भेदभाव का शिकार होने की बात कही है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद वहां पढ़ाई कर रहे कई छात्रों ने कहा है कि सीमा पर यूक्रेन के सुरक्षाबलों ने उनके साथ नस्लीय भेदभाव किया। इन छात्रों में अधिकतर अफ्रीका और एशिया के छात्र हैं, जो यूक्रेन छोड़कर उसके आस-पास के देशों में जा रहे हैं। अमेरिकी कांग्रेस के सीनेट के वरिष्ठ सदस्य मार्क वार्नर ने अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत ओकसाना मारकारोवा को एक पत्र लिखकर कहा मैं यूक्रेन की पश्चिमी सीमाओं से आ रही परेशान करने वाली कुछ रिपोर्टों की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। इन रिपोर्टों में कुछ गैर-यूक्रेनी व्यक्तियों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार और नस्लीय भेदभाव होने की बात सामने आई है। विशेष रूप से अफ्रीकी देशों के व्यक्तियों के साथ। मार्क वार्नर इंटेलीजेंस पर अमेरिकी कांग्रेस के उच्च सदन सीनेट की सेलेक्ट कमेटी के अध्यक्ष हैं और साथ ही वह सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष भी हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित कुछ वीडियो के मुताबिक मोरक्को, नाइजीरिया, मिस्र और भारत के साथ-साथ यूक्रेन में युद्ध से बचने के इच्छुक कई अन्य देशों के लोगों के साथ मारपीट की गई, उनके साथ नस्लीय भेदभाव किया गया तथा उन्हें ट्रेनों और बसों में चढ़ने से रोक दिया गया और साथ ही उन्हें यूक्रेन के सीमावर्ती देशों में प्रवेश से वंचित कर दिया गया। मार्क वार्नर ने अपने पत्र में लिखा इनमें से कई व्यक्ति यूक्रेन में पढ़ाई करने वाले छात्र हैं। जैसा कि आप अच्छी तरह से जानते हैं, यूक्रेन में पढ़ने वाले 80 हजार से अधिक अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से कम से कम 20 प्रतिशत अफ्रीकी देशों से आते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका के एक प्रीस्कूल में कार घुसी, 19 बच्चे घायल

अमेरिका । अमेरिका के प्रांत नॉर्दर्न कैलिफोर्निया स्थित एक प्रीस्कूल में एक कार के घुस जाने के कारण 19 बच्चे और स्कूल का एक कर्मचारी घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह घटना सेक्रामेंटो के उत्तर पश्चिम में शास्ता काउंटी के एंडरसन में गुरुवार को हुई। केआरसीआर-टेलीविजन में दिखाए गए वीडियो में एक वाहन 'ग्रेट एडवेंचर्स क्रिस्चियन प्रीस्कूल' की दीवार से टकराता और फिर दीवार तोड़ता हुआ इमारत में घुसता दिखाई दिया। पुलिस प्रमुख जोन पोलेट्स्की ने बताया कि घटना के वक्त 19 बच्चे और कम से कम दो कर्मचारी स्कूल के अंदर थे। उन्होंने बताया कि 14 बच्चों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि पांच को उनके अभिभावक ले गए। पुलिस ने बताया कि एक बच्चा कार ही में फंस गया था। घायलों की हालत के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में लगी आग बुझी, विकरण का स्तर भी नॉर्मल

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच नौवें दिन भी युद्ध जारी है।रूसी सैनिकों ने एनेहोंदर शहर में स्थित जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट को निशाना बनाया। इस प्रतिष्ठान में आग लग गई। मिली जानकारी के मुताबिक जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में लगी आग को बुझाया जा चुका है। इसकारण विकरण का बड़ा खतरा टल गया है। बता दें कि जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में देश की करीब 25 फीसदी बिजली का उत्पादन होता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जपोजिरिया न्यूक्लियर प्लांट में लगी आग को फायर फाइटर्स ने कुछ ही घंटों के भीतर बुझा दिया है।दरअसल, रूसी सेना एनेहोंदर शहर पर कब्जा करने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। इसकारण जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में भी गोलीबारी हुई और आस-पास के इलाकों पर बमबारी भी हुई। जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने की खबर के बात अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से बातचीत की और रूस से प्रभावित क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने तथा आपात बचाव दल को वहां जाने की अनुमति देने की मांग की है।

परमाणु प्लांट में आगजनी के बाद जानसन ने जेलेंस्की से की बात, रहा इस पर आपात बैठक बुलाए यूएन

लंदन । यूरोप के सबसे बड़े न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने की घटना को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत की है। जानसन ने न्यूक्लियर प्लांट की घटना पर चिंता प्रकट की। जानसन ने जेलेंस्की से कहा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई अब यूरोप की सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है। जानसन ने आगे कहा कि ब्रिटेन यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा कि स्थिति और न बिगड़े। उन्होंने कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक की मांग करेंगे और ब्रिटेन इस मुद्दे को रूस और करीबी सहयोगियों के साथ तुरंत उठाएगा। उल्लेखनीय है कि रूसी सेना की गोलाबारी के बाद यूरोप के सबसे बड़े परमाणु प्लांट के रिएक्टरों में आग लग गई है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया है कि रूसी सेना ने परमाणु प्लांट पर हमला किया है। जेलेंस्की ने ट्वीट कर कहा कि यूरोप का सबसे बड़ा परमाणु प्लांट खतरे में है। इससे पहले, यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा था कि रूस परमाणु प्लांट पर लगातार गोलीबारी कर रहे हैं।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा केंद्र से धुएं के गुबार उठते दिखे

कीव । रूस के यूक्रेन पर आक्रमण का 9वां दिन है और जंग थमने के आसार नहीं दिख रहे हैं अब तक यूक्रेन के 10 शहर तबाह हो चुके हैं। करीब 1 करोड़ लोग देश छोड़ चुके हैं। इस बीच खबर है कि यूक्रेन में जेपोरीजिया ओब्लास्ट प्रांत के एनरहोदर शहर में रूस ने बड़ा हमला कर दिया है। यूक्रेनी अधिकारी का दावा है कि इस अटैक के बाद यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा केंद्र से धुएं के गुबार उठते दिखाई दे रहे हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने आग लगने के बाद रूसी सैनिकों से यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेपोरीजिया न्यूलियर प्लांट) पर हमला बंद करने का आह्वान किया। कुलेबा ने ट्वीट किया, अगर यह उड़ा, तो यह चेरनोबिल से 10 गुना बड़ा ब्लास्ट होगा! रूसियों को तुरंत आग बंद करनी चाहिए। यूक्रेन के सरकारी अधिकारी के हवाले से मीडिया में बड़ी खबर आ रही है कि यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा केंद्र (जेपोरीजिया न्यूलियर प्लांट) से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। दरअसल, जेपोरीजिया से एनरहोदर की दूरी महज 122 किमी है। एनरहोदर, निकओपोल और चेर्वोनोहाईहोरिवका के सामने, कफोवका जलाशय के पास नीपर नदी के बाएं किनारे पर स्थित है। यूक्रेन में जेपोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में 6 रिएक्टर हैं, जो पूरे यूरोप में सबसे बड़ा और पृथ्वी पर 9वां सबसे बड़ा रिएक्टर माना जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूस वर्तमान में इस पर मोर्टार और आरपीजी से हमला कर रहा है। ऊर्जा केंद्र के कुछ हिस्सों में फिलहाल आग लगी हुई है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा,पुतिन से बात करने को तैयार, मैं काटता नहीं हूं

कीव । रूस और यूक्रेन युद्ध के आठ दिन बाद नौवें दिन भी दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे पर प्रहार किया। इसी बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सीधे बातचीत करने का न्यौता दिया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों का आह्वान करते हुए कहा कि यक्रेन की सैन्य सहायता को बढ़ाया जाए, वरना रूस यूरोप के अन्य हिस्सों में भी आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है, कि मैं पुतिन से बात करना चाहता हूं। मुझे पुतिन से बात करने की जरुरत है। दुनिया को पुतिन से बात करने की जरूरत है। इस युद्ध को रोकने का और कोई उपाय नहीं है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि आप हमसे क्या चाहते हैं? हमारी जमीन छोड़ दो। मेरे साथ बैठो, सिर्फ 30 मीटर दूर नहीं, मैं काटता नहीं हूं। यक्रेन और रूस के बीच जल्द ही तीसरे दौर की वार्ता होगी। बीते दिनों पोलैंड बॉर्डर के पास स्थित बेलारूस में दूसरे दौर की वार्ता हुई थी। इस वार्ता को लेकर राष्ट्रपति पुतिन के सलाहकार व्लादिमीर मेदिन्स्की ने बताया कि दोनों पक्षों की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है, संघर्ष के राजनीतिक समाधान से संबंधित मुद्दों सहित एक-एक बात लिखी गई है। हालांकि उन्होंने विस्तार से जानकारी दिए बिना कहा कि उनकी ओर से आपसी सहमति बनी है।

सप्लीमेंट्री ड्रिंक बनाने खरीदा कैफीन पाउडर, ओवरडोज ने ली युवक की जान

लंदन ।

कोई भी चीज की अति नुकसान पहुंचा सकती है फिर वह खाने-पीने की ही वस्तु ही क्यों न हो। कैफीन पाउडर के ओवरडोज से ब्रिटेन के वेल्स में रहने वाले एक शख्स की जान चली गई थी। उसने गलती से अपनी ड्रिंक में बहुत ज्यादा कैफीन पाउडर मिला लिया था। इससे उसका ड्रिंक 200 कप कॉफी इतना स्ट्रॉन्ग हो गया। इसके पीते ही उसकी मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी 2021 को हुई थी, लेकिन एक जांच कमेटी ने तथ्यों की पड़ताल करने के बाद अब रिपोर्ट तैयार की है। ये हादसा 29 साल के थॉमस मैन्सफिल्ड के साथ हुआ था। वो पेशे से पसर्नल ट्रेनर थे। सिक्योरिटी गार्ड का काम भी वो साथ-साथ करते थे। उन्होंने सप्लीमेंट्री ड्रिंक बनाने के लिए कैफीन पाउडर खरीदा था। लेकिन थॉमस ने गलती से तय मात्रा से 7 गुना ज्यादा कैफीन पाउडर ले लिया। ये गलती उनसे वजन करने में हुई।

मृतक की पत्नी सुजानाह ने बताया कि उसने पति को अपनी छाती पकड़े देखा। और उनके मुंह से झाग निकल रहा था। बता दें कि कैफीन पाउडर को दिन में दो बार 60 से 300 मिलीग्राम ही लेने की सलाह दी जाती है। लेकिन थॉमस के डिजिटल स्केल की रीडिंग 2 ग्राम से शुरू ही होती थी। जांच कमेटी ने जानकारी दी है कि थॉमस तय मात्रा में ही कैफीन लेना चाहते थे। लेकिन उन्होंने गलती कर दी। और वो 5 ग्राम पाउडर पी गए। सुजानाह ने कहा कि ड्रिंक पीते ही पति के मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया था। वो मदद के लिए पड़ोसियों के पास दौड़कर बाहर भागी। थॉमस को हॉस्पिटल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें वहां मृत घोषित कर दिया। बाद में थॉमस का पोस्टमार्टम हुआ। जिससे पता चला कि उनके खून में 392 मिलीग्राम कैफीन पाउडर प्रति लीटर मौजूद है।

पुतिन की उम्मीदों से उलट यूक्रेन ने डटकर किया सामना, परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर रूसी सेना ने किया हमला

मास्को ।

रूस और यूक्रेन युद्ध के आठ दिन बीत चुके हैं और नौवें दिन भी दोनों सेनाओं ने एक-दूसरे पर प्रहार किया। पूरा विश्व यह देख रहा है कि यूक्रेन पर हमला करने की वजह से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अलग-थलग पड़े हुए हैं। कुछ ही देश हैं, जो उनका समर्थन कर रहे हैं। क्योंकि व्लादिमीर पुतिन ने रूसी सेना को एक जोखिम भरे युद्ध में धकेल दिया है। खुद व्लादिमीर पुतिन को भी उम्मीद नहीं रही होगी कि यूक्रेन इतने दिनों तक उनके सामने टिक पाएगा। लेकिन यूक्रेन ने डटकर सामना किया और रूसी सैनिकों को रोक कर रखा। हां, यह जरूर हुआ है कि रूस कई इलाकों पर कब्जा कर चुका है। इसे हम युद्ध की शुरूआत के तौर पर देख सकते हैं, अभी और भी ज्यादा तबाही के मंजर देखने को मिल सकते हैं। क्योंकि व्लादिमीर पुतिन को भरोसा रहा होगा कि यूक्रेन जल्द ही अपने घुटने टेक देगा और पश्चिमी देश भी यूक्रेन को रूस का हिस्सा मानने लगेंगे। लेकिन सच्चाई इसके उलट दिख रही है और रूस को आर्थिक मोर्चे पर नुकसान सहना पड़ रहा है। दक्षिणी यूक्रेन के एनेहोंदर शहर में ऊर्जा संयंत्र पर रूसी सेना ने हमला किया। जिसकी वजह से प्रतिष्ठान में आग लग गई है। जपोरिजिया परमाणु संयंत्र के आस-पास के क्षेत्र में विकरण का स्तर बढ़ा हुआ पाया गया है। इस स्थान पर देश की करीब 25 फीसदी बिजली का उत्पादन होता है। एक अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। ऊर्जा संयंत्र के प्रवक्ता एन्ड्री तुज ने यूक्रेनी टेलीविजन को बताया कि आग को बुझाने के लिए लड़ाई को रोकना बहुत ज्यादा जरूरी है। रूसी सेना एनेहोंदर शहर पर कब्जा करने के लिए गुरुवार से लड़ाई लड़ रहे हैं। इसके अलावा यूक्रेन रो समुद्र मार्ग से काटने के लिए भी काफी मशक्कत कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से बातचीत की और रूस से प्रभावित क्षेत्र में अपनी सैन्य गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाने तथा आपात बचाव दल को वहां जाने की अनुमति देने की मांग की है। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। बाइडेन ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थिति की जानकारी लेने के लिए अमेरिकी ऊर्जा विभाग के परमाणु सुरक्षा के अवर सचिव और राष्ट्रीय परमाणु सुरक्षा प्रशासन के प्रशासक से बातचीत भी की है। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने रूसी राष्ट्रपति से यक्रेन के विषय पर बातचीत की। जिसके बाद मैक्रों ने बताया कि व्लादिमीर पुतिन अभी युद्ध नहीं रोकने वाले हैं। उन्होंने कहा कि इस समय तो उन्होंने इससे इनकार किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह संवाद जारी रखेंगे ताकि और अधिक मानवीय त्रासदी न हो। यूक्रेन और रूस के बीच जल्द ही तीसरे दौर की वार्ता होगी। बीते दिनों पोलैंड बॉर्डर के पास स्थित बेलारूस में दूसरे दौर की वार्ता हुई थी। इस वार्ता को लेकर राष्ट्रपति व्लादिमीर मेदिन्स्की ने बताया कि दोनों पक्षों की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है।

बाइडन की क्वाड नेताओं से बातचीत रचनात्मक रही : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन में तेजी से बदलते हालात के बीच क्वाड नेताओं के साथ बातचीत की जो रचनात्मक रही। व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी। क्वाड भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया चार देशों का संगठन है। क्वाड की ऑनलाइन बैठक में बाइडन के अलावा, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा भी शामिल हुए। नेताओं ने बैठक में यूक्रेन में रूस के सैन्य अभियान तथा पूर्वी यूरोपीय राष्ट्र में उत्पन्न मानवीय संकट पर चर्चा की। वहाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राष्ट्रपति को लगता है कि बातचीत सार्थक रही। वहाइट हाउस ने कहा कि क्वाड नेताओं ने स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस साल के अंत में तोक्यो में व्यक्तिगत रूप से मिलने पर भी वे सहमत हुए। बाइडन ने बैठक के बाद एक ट्वीट में कहा कि क्वाड के अपने साथियों प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री किशिदा फुमिओ के साथ बैठक की और यूक्रेन पर रूस के चल रहे हमले तथा हिंद-प्रशांत सहित दुनिया भर में संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर चर्चा की। साकी ने कहा कि बाइडन ने सुझाव दिया कि चारों नेताओं की बैठक के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा दलों के सदस्यों को भी बैठक करनी चाहिए।

फ्रांस की युद्ध रोकने की कोशिश नाकाम हुई, यूक्रेन पर कब्जा करके ही दम लेगा रूस

पेरिस ।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने कहा कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए एक बार फिर कहा है, लेकिन पुतिन अभी ऐसा करने के मूड में नहीं दिखते। मैक्रों ने ट्वीट किया उन्होंने युद्ध रोकने से इनकार कर दिया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने पुष्टि की कि उन्होंने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर बात की थी। उन्होंने कहा कि वह रूस के साथ संवाद जारी रखेंगे, ताकि और अधिक मानवीय त्रासदी को रोका जा सके। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा हमें हालात बदतर होने से रोकने चाहिए। फ्रांसीसी और रूसी राष्ट्रपतियों द्वारा फोन पर बात करने के बाद जारी बयान में, क्रेमलिन ने स्पष्ट किया कि उसके लक्ष्यों में यूक्रेन का विसैन्यीकरण और तटस्थता शामिल है। क्रेमलिन ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फ्रांसीसी नेता इमैनुएल मैक्रॉन से कहा कि रूस यूक्रेन में अपने सैन्य हस्तक्षेप के लक्ष्यों को प्राप्त करेगा, चाहे कुछ भी हो जाए। फ्रांसीसी और रूसी राष्ट्रपतियों द्वारा फोन पर बात करने के बाद जारी एक बयान में, क्रेमलिन ने स्पष्ट किया कि उसके लक्ष्यों में यूक्रेन का विसैन्यीकरण और तटस्थता शामिल है। इसमें कहा गया है कि कीव द्वारा रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच वार्ता में देरी करने के किसी भी प्रयास के परिणामस्वरूप मॉस्को पहले से निर्धारित मांगों की सूची में और आइटम जोड़ देगा। बयान में आगे कहा गया है कि व्लादिमीर पुतिन ने कीव के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में मौलिक दृष्टिकोण और शर्तों के बारे में विस्तार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि यूक्रेन नाटो की निकटता की जिद छोड़ दे और विसैन्यीकरण करे, तभी कोई बात हो सकती है। नाटो के साथ निकटता बढ़ाकर यूक्रेन ने रूस के लिए चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिन्हें हम विशेष सैन्य अभियान के माध्यम से अपने अनुकूल करने का प्रयास कर रहे हैं। यूक्रेन में रूस का विशेष अभियान योजना के अनुसार चल रहा है। रूसी सेना कीव पर बमबारी कर रही है, यह रूस विरोधी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है। सच यह है कि रूसी सेना यूक्रेन के आम नागरिकों की रक्षा के लिए वह सब कुछ कर रही है, जो वह कर सकती है । विशेष अभियान यूक्रेन के कब्जे के लिए नहीं, बल्कि नव नाजियों के कूटनीतिक प्रयासों को विफल करने के लिए शुरू किया है।

सुविचार जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता। - स्वामी भजनानंद

संपादकीय

शांति की गुहार

यूक्रेन-रूस युद्ध विवाद देश के सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया है, तो कोई आश्चर्य नहीं। मामले का संज्ञान लेते हुए प्रधान न्यायाधीश एनवी रमना ने यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को बचाने की याचिका पर सुनवाई की है और एक सोशल मीडिया पोस्ट का हवाला दिया है, जिसमें उनसे सवाल किया गया था कि युद्धग्रस्त देश से भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए उन्होंने क्या कदम उठाए हैं? प्रधान न्यायाधीश का यह कहना दिलचस्प है कि इस मामले में वह क्या कर सकते हैं, क्या वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध रोकने के लिए कह सकते हैं? मामला प्रधान न्यायाधीश के ऐसे प्रतिप्रश्न से कहीं अधिक गंभीर है। दरअसल, जब लोग निराश या परेशान होते हैं, तभी हर संभव दरवाजे पर दस्तक देते हैं। दरअसल, 200 से अधिक छात्रों की ओर से यह याचिका दायर हुई है, जो यूक्रेन में फंसे हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय से गुहार लगाई गई है कि वह छात्रों को बचाए। याचिकाकर्ता के वकील ने यह बताया है कि बचाव की उड़ानें पोलैंड और हंगरी से संचालित की जा रही हैं, रोमानिया से नहीं। ऐसे में, छात्राओं सहित भारतीयों की एक बड़ी संख्या है, जो बिना किसी सुविधा के वहां फंसी हुई है। खास यह कि सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने वकील की दलीलों पर गौर किया और अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल को रोमानिया सीमा के पास फंसे छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लाने की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए। भारत सरकार लगातार समय-समय पर निर्देश जारी कर रही है कि छात्र तत्काल सुरक्षित इलाकों की ओर निकल जाएं। इसमें कोई संदेह नहीं कि छात्रों की वापसी के अभियान में देरी हुई है। पहले छात्रों को अपने स्तर पर स्वदेश लौटने के लिए इशारा किया गया था और अब सरकार को छात्रों की वापसी के लिए गंगा अभियान छेड़ना पड़ा है। चूंकि भारतीय छात्र वहां बड़ी संख्या में हैं, इसलिए उन्हें लेकर तरह-तरह की चर्चाएं भी उड़ रही हैं। सरकार को इन चर्चाओं पर गंभीरता से गौर करना चाहिए, क्या ऐसे छात्र हैं, जो वहां से लौटना नहीं चाहते? जो छात्र वहां मर्जी से रह जाएंगे, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किस पर होगी? क्या यूक्रेन की सेना भारतीय छात्रों को कवच की तरह इस्तेमाल कर रही है? या रूस ने भारतीयों को रिझाने या भरमाने मात्र के लिए यूक्रेनी सेना पर आरोप लगाए हैं? अगर किसी भी भारतीय के साथ बंधक जैसा व्यवहार किया जा रहा है, तो सच्चाई दुनिया के सामने आनी चाहिए। चिंता इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि सात हजार से ज्यादा भारतीय अभी भी युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। भारत को सजग रहना होगा। संयुक्त राष्ट्र में हुए मतदान में 141 देश रूस के खिलाफ हो गए हैं और महज पांच देश उसके साथ हैं, जबकि भारत सहित 34 देशों ने मतदान नहीं किया है। बहुमत ऐसे देशों का है, जो रूस के खिलाफ हैं, इसमें अचरज की कोई बात नहीं। इससे रूस और उसके समर्थक देशों को भी पता चल गया होगा कि उनके साथ दुनिया के कितने कम देश हैं। दुनिया के ज्यादातर लोग यही चाहते हैं कि यह युद्ध तत्काल रुकना चाहिए और व्लादिमीर पुतिन को संयुक्त राष्ट्र में हुए इस मतदान पर गौर करते हुए रूस को किसी बड़ी हानि से बचाना चाहिए। युद्ध की शुरुआत में ही यह स्थिति है, जब तबाही बढ़ेगी, तब शायद पुतिन के साथ कोई नहीं खड़ा होगा।

आज के कार्टुन

जिंदगी

आचार्य रजनीश ओशो/ आज तक का समाज दुख से भरा हुआ समाज है, उसकी ईंट ही दुख की है, उसकी बुनियाद ही दुख की है। जब दुखी समाज होगा तो समाज में हिंसा होगी क्योंकि दुखी आदमी हिंसा करेगा। जब समाज दुखी होगा और जीवन दुखी होगा तो आदमी क्रोधी होगा, दुखी आदमी क्रोध करेगा। और जब जिंदगी उदास होगी, दुखी होगी, तो युद्ध होंगे, संघर्ष होंगे, घृणा होगी। दुख सब चीज का मूल उद्गम है। यदि नये समाज को जन्म देना हो तो दुख की ईंटों को हटा कर सुख की ईंटें रखनी जरूरी हैं, तो वे तभी रखी जा सकती हैं, जब हम जीवन के सब सुखों को सहज स्वीकार कर लें और सब सुखों को सहज निमंतण्रदे सकें। जिंदगी का अपना सौंदर्य है, मृत्यु का अपना। जो देखने में समर्थ हो जाता है वह सब चीजों से सौंदर्य और सब चीजों से सुख पाना शुरू कर देता है। लेकिन यह क्यों भूल हो गई कि आदमी इतना उदास और दुखी क्यों हमने निर्मित किया? यह भूल इसलिए हो गई कि हम शरीर के शत्रु हैं। इंद्रियों के दुश्मन हैं। इंद्रियों की दुश्मनी की जरूरत नहीं है। इंद्रियों की गुलामी न हो, इतना ही काफी है। इंद्रियों की मालकियत बहुत है। लेकिन इंद्रियों की मालकियत के लिए इंद्रियों से दुश्मनी करने की कोई जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि जिसके हम दुश्मन हो जाएं उसके हम मालिक कभी भी नहीं हो पाते। मालिक तो हम सिर्फ उसी के हो पाते हैं जिसे हम प्रेम करते हैं। इंद्रियों और शरीर की दुश्मनी के कारण एक द्वैत आदमी में हमने पैदा किया है। हमने बताया है कि शरीर कुछ और, इंद्रियां कुछ और, तुम कुछ और; और तुम्हारे और शरीर के बीच सतत दुश्मनी है, लड़ाई है। अब हम अपने ही द्वार-दरवाजों से लड़ रहे हैं। जैसे कोई आदमी एक घर में रहता हो, और अपनी खिड़कियों का दुश्मन हो जाए, अपने दरवाजों का दुश्मन हो जाए, और खिड़कियों और अपने बीच दुश्मनी मान ले। हम यहां जिस तरह की जिंदगी जीते हैं, आगे जो जिंदगी है हम उसके आधार यहीं रखते हैं, इसी पृथ्वी पर, इस पृथ्वी के विरोध में नहीं। अगर आत्मा की कोई जिंदगी है तो उसके आधार हम रखते हैं शरीर की जिंदगी में, शरीर के विरोध में नहीं। अगर अतींद्रिय कोई आनंद है, तो उनके भी आधार हम रखते हैं इंद्रियों के आनंदों में, उसके विपरीत नहीं। जिंदगी विरोध नहीं, हार्मनी है। यहां किसी चीज में कोई विरोध नहीं है। न शरीर और आत्मा में विरोध है, न पदार्थ और परमात्मा में विरोध है। यहां किसी चीज में विरोध नहीं है, जिंदगी एक इकट्ठी चीज है।

रूस के हमले से दांव पर दुनिया

जी. पार्थसारथी

बाईस फरवरी की शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर ने अपने लोगों और शेष विश्व के नाम संबोधन में रूस को अमेरिका से दरपेश चुनौतियों के बारे में बताया। उनके दावे के मुताबिक यह सब रूस को पड़ोसी मुल्कों से दूर करने की गर्ज से है। उनका यह भाषण पड़ोसी यूक्रेन से बढ़ते तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आया था। पुतिन ने भाषण में विशेष रूप से जिक्र किया कि अमेरिका ने दुर्भावनावश सोवियत रूस को कमतर और अस्थिर किया था। पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन की कथित भूमिका के बारे में भी तफसील से बताया कि वह भी रूसी संघ को अस्थिर करने वाली हालिया पश्चिमी साजिशों में शामिल हो गया है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'यहां मैं पुन: कहना चाहूंगा कि यूक्रेन हमारे लिए केवल पड़ोसी देश नहीं है। यह हमारे साझे इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अभिन्न हिस्सा रहा है।' उन्होंने आखिर में कहा कि मौजूदा हालात में यह जरूरी हो जाता है कि यूक्रेन में 'दोनेस्तक गणतंत्र' और 'लुहांस्क गणराज्य' द्वारा अपनी आजादी और संप्रभुता पाने वाली लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाए। उनके इस प्रस्ताव को रूसी संसद ने आनन-फानन में मंजूर कर लिया। इस तरह 22 फरवरी को यूक्रेन के साथ बढ़ते तनावों में रूसी आक्रमण की भूमिका तैयार हो गई थी जो मुख्यत: अमेरिका के खिलाफ थी। राष्ट्रपति बाइडेन को इस घटनाक्रम पर तीखी घरेलू आलोचना का सामना करना पड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और उनके विदेश मंत्री रहे पोम्पियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन राजनेताओं ने हल्ला बोलते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह स्थिति से सही तरह निपट पाने में बाइडेन प्रशासन की विफलता का नतीजा है और ठीक वैसा है जब प्रशासनिक शिकस्त की वजह से अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज को बेइज्जत होकर वापसी करनी पड़ी थी। इसी बीच रूसी मीडिया ने गर्व से घोषणा की है कि दोनेस्तक और लुहांस्क ने यूक्रेन से निश्चयपूर्ण आजादी पा ली है। पुतिन ने यह साफ कर दिया है कि अब केवल दोनेस्तक और लुहांस्क ही नहीं बल्कि इलाकाई महत्वाकांक्षा का निशाना समूचा यूक्रेन है। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व सोवियत संघ की नीतियों की कटु आलोचना करते हुए किसी को नहीं बख्शा, जिसमें सोवियत काल के प्रतीक-पुरुष जैसे कि लेनिन, स्तालिन, ख्रुशचेव के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ सोवियत यूनियन के नेतृत्व की तीन पीढ़ियां भी शामिल हैं। कम शब्दों में कहें तो, पुतिन द्वारा विगत के उन राजनेताओं की आलोचना करना अजीब और गैरवाजिब है, जिन्होंने रूस की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की नींव रखी और सोवियत संघ को विश्वशक्ति बनाया था। पुतिन की इलाकाई महत्वाकांक्षा जाहिर होने के बाद चले घटनाक्रम ने रूस और दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है। जहां पहले यह महत्वाकांक्षा यूक्रेन के चंद इलाकों को 'आजादी' दिलवाने तक सीमित थी वहीं अब समूचा यूक्रेन कब्जाने के फैसले ने विश्व को चौंकाया है। उनका यह दावा यूक्रेन पर धावा बोलने के साथ लागू हुआ। आरंभ में कइयों को लगा कि वे सिर्फ क्रीमिया को रूस में मिलाना चाहते हैं, लेकिन पुतिन के ताजा कृत्य ने दुनिया को हैरान-परेशान कर दिया है। भारत ने पहले भी वार्ता के जरिए रूस-यूक्रेन तनाव कम करने वाले प्रयासों का समर्थन करके सही किया था और अब भी यूक्रेन की मौजूदा सीमारेखा में बदलावों के प्रयास की ताईद न करके समझदारी दिखाई है। भारत सहित शायद ही कोई मुल्क ऐसा होगा जो रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई करके यूक्रेन को हड़पने या टुकड़ों में बांट देने को सही ठहराए। कोई हैरानी नहीं कि राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस पर दबाव बनाने के लिए तमाम नाटो, यूरोपियन और एशियाई सहयोगियों को लामबंद होने का आह्वान किया है। बाइडेन ने सबसे ज्यादा जिन मारक प्रतिबंधों का प्रस्ताव दिया था, उसमें रूस को उपलब्ध विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सुविधाओं से महरूम करना शामिल था। अब इस पर अमल भी हो चुका है। अमेरिका स्थित ब्लूमबर्ग डॉट कॉम ने हालांकि बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन द्वारा पृथक दोनेस्तक और लुहांस्क को मान्यता देने वाले दस्तावेज पर दस्तखत करने के 24 घंटों के अंदर अमेरिका और यूके ने आनन-फानन में रूस से 350 लाख बैरल कच्चा एवं परिशोधित तेल, सोना सहित 700 मिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक गैस, एल्यूमीनियम, टाइटेनियम, कोयला खरीदा है। रूस से इनका निर्यात आज भी जारी है। यूक्रेनी फौज और नागरिकों द्वारा रूसी सेना को कड़ी टक्कर के बीच पश्चिमी प्रतिबंध और सख्त होने जा रहे हैं। इसका विश्वव्यापी असर होना अवश्यम्भावी है। अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगियों द्वारा रूस पर प्रतिबंधों में सबसे करारा असर 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग व्यवस्था से महरूम करने से होगा। इसके अभाव में रूस की विश्व-व्यापार परिचालन क्षमता बाधित हो जाएगी और रूस के केंद्रीय बैंक का दुनिया के अन्य देशों से वैश्विक लेन-देन पंगु हो जाएगा। हालांकि, रूसी बैंक नियंताओं को इन उपायों का कयास पहले से था। इस सबके बीच रूसी अपना सैन्य अभियान बंद करने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन ने सूझ-बूझ दिखाते हुए स्थिति सामान्य बनाने के लिए वारसा में शांति-वार्ता की पेशकश की है, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रूस ने पहले यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। हालांकि बैठक का एक दौर हो चुका है। रूस द्वारा यूक्रेन पर दमन जारी रखने पर न केवल यूक्रेन को बल्कि रूसी नागरिकों को भी लंबे समय तक दुश्वारियां झेलनी पड़ेंगी, जिससे कटुता बढ़ेगी एवं आपसी एकता भंग होगी और बदनामी झेलनी पड़ेगी। उम्मीद करें कि रूस और यूक्रेन द्वंद्व में तमाम संबंधित पक्ष अपने जहन में रखेंगे कि अपने पड़ोस में शांति और सद्भावना कायम रखना दोनों की जिम्मेवारी है। शांति प्रयासों में फ्रांस और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। रूसी समस्याओं पर अमेरिका और अन्य मुल्कों द्वारा व्यर्थ का छद्म-राष्ट्रवाद बघारने और घुड़कियों का भयावह परिणाम हो सकता है। रूस के पास फिलहाल 6400 परमाणु अस्त्रों का भंडार है, जिसमें 1600 सामरिक मिसाइलें तैयार हैं। रूस ने भड़काए जाने पर इनका इस्तेमाल करने का इरादा गुप्त नहीं रखा है। यूक्रेन में स्थिति हाथ से निकलने पाए, इस हेतु वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास बहुत महत्वपूर्ण बन जाते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पुतिन जब जेनेवा में मिले थे तो आदर्श राजनेता की तरह कहा था- 'परमाणु युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और यह कभी नहीं होना चाहिए।' उम्मीद करें कि यह दोनों ताकतें तनाव को काबू से बाहर नहीं होने देंगी। अमेरिका और सहयोगियों द्वारा लगाए प्रतिबंधों की वजह से रूस के साथ भारत के व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर असर पड़ेगा। हालांकि इन अड़चनों से जुगत लगाकर पार पाया जा सकता है। लेकिन पुतिन के कृत्यों ने नया वैश्विक तनाव ऐसे समय बना डाला है जब दुनिया पहले से ही कोरोना महामारी का घातक असर झेल रही है। किंतु फिलहाल लगता नहीं कि व्लादिमीर पुतिन पीछे हटने को राजी होंगे, जाहिर है उन्हें अपने परमाणु भंडार की पाश्विक शक्ति पर यकीन है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

सौंदर्य के नुस्खे: होली के रंगों में बालों व त्वचा की देखभाल

- शहनाज हुसैन

होली का त्यौहार खुशियां, मस्ती, रोमांच तथा उत्साह लेकर आता है। लेकिन रंगों के इस त्योहार को हम उत्साह से मनाने के साथ ही रंग खेलने से ज्यादा रंग छुड़ाने, त्वचा एवं बालों को हुए नुकसान को लेकर टेंशन में ज्यादा रहते हैं। इसकी वजह है कि 'बुरा न मानो होली है' कहकर रंग फेंकने वाले अल्हड़ युवक-युवतियों की टोलियां पिचकारी, गुब्बारों व गुलाल में बाजार में बिकने वाले जिन रंगों का प्रयोग करते हैं उनमें माइका, लेड जैसे हानिकारक रसायनिक मिले होते हैं। इससे बाल तथा त्वचा रूखी एवं बेजान हो जाती है। बालों का झड़ना शुरू हो जाता है तथा त्वचा में जलन एवं खारिश शुरू हो जाती है। बाजार में बिकने वाले रंगों में हर्बल तथा प्राकृतिक उत्पाद नाममात्र ही होते हैं। लेकिन ऐसे में आप घर पर छुपकर कतई न बैठें। अगर आप कॉलोनी के पार्क में खुशनुमा माहौल में दिल खोल कर होली खेलना चाहते हैं तो जमकर रंग खेलने के बाद चुटकियों में रंग छुड़ाने के तरीके भी हैं। होली का त्यौहार ज्यादातर खुले में खेला जाता है जिससे सूर्य की गर्मी से त्वचा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। खुले आसमान में हानिकारक यूवी किरणों के साथ-साथ नमी की कमी की वजह से त्वचा के रंग में कालापन आ जाता है। होली खेलने के बाद त्वचा निर्जीव बन जाती है। होली के रंगों से अपनी त्वचा की रक्षा के लिए होली खेलने से 20 मिनट पहले त्वचा पर 20 एसपीएफ सनस्क्रीन का लेप कीजिए। यदि आपकी त्वचा पर फोड़े, फुंसियां आदि हैं तो 20 एसपीएफ से ज्यादा दर्जे की सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिए। ज्यादातर सनस्क्रीन में माइस्चराईजर ही होता है। यदि आपकी त्वचा अत्याधिक शुष्क है तो पहले सनस्क्रीन लगाने के बाद कुछ समय इंतजार करने के बाद ही त्वचा पर माइस्चराईजर का लेप करें। आप अपनी बाजू तथा सभी खुले अंगों पर माईस्चराइजर लोशन या क्रीम का उपयोग करें। होली खेलने से पहले सिर में बालों पर हेयर सीरम या कंडीशनर का उपयोग करें। इससे बालों को गुलाल के रंगों की वजह से पहुंचने वाले सूखेपन से सुरक्षा मिलेगी तथा सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाव मिलेगा। आजकल बाजार में सनस्क्रीन सहित हेयर क्रीम आसानी से उपलब्ध हो जाती है। थोड़ी हेयर क्रीम लेकर उसे दोनों हथेलियों पर फैलाकर बालों की हल्की-हल्की मालिश करें। इसके लिए आप शुद्ध नारियल तेल की बालों पर मालिश भी कर सकते हैं। इससे भी रसायनिक रंगों से बालों को होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। होली के रंगों से नाखूनों को बचाने के लिए नाखूनों पर नेल वार्निश की मालिश करनी चाहिए। होली खेलने के बाद त्वचा तथा बालों पर जमे रंगों को हटाना काफी मुश्किल कार्य है। उसके लिए सबसे पहले चेहरे को बार-बार साफ जल से धोएं तथा इसके बाद क्लीजिंग क्रीम या लोशन का लेप कर लें तथा कुछ समय बाद इसे गीले कॉटन वूल से धो डाले। आंखों के इर्द-गिर्द के हिस्से को हल्के-हल्के साफ करना न भूलें। क्लीजिंग जैल से चेहरे पर जमे रंगों को धुलने तथा हटाने में काफी मदद मिलती है। अपना घरेलू क्लीनजर बनाने के लिए आधा कप ठण्डे दूध में तिल, जैतून, सूर्यमुखी या कोई भी वनस्पति तेल मिला लीजिए। काटन वूल पैड को इस मिश्रण में डुबोकर त्वचा को साफ करने के लिए उपयोग में लाएं। शरीर से रासायनिक रंगों को हटाने में तिल के तेल की मालिश महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इससे न केवल रासायनिक रंग हट जाएंगे बल्कि त्वचा को अतिरिक्त सुरक्षा भी मिलेगी। तिल के तेल की मालिश से सूर्य की किरणों से हुए नुकसान की भरपाई में मदद मिलती है। नहाते समय शरीर को लूफ या वाश कपड़े की मदद से स्क्रब कीजिए तथा नहाने के तत्काल बाद शरीर तथा चेहरे पर माइस्चराईजर का उपयोग कीजिए। इससे शरीर में नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी। यदि त्वचा में खुजली है तो पानी के मग में दो चम्मच सिरका मिलाकर त्वचा पर उसका उपयोग करें। इससे खुजली खत्म हो जाऐगी। इसके बाद भी त्वचा में खुजली जारी रहती है तथा त्वचा पर लाल चकते तथा दाने उभर आते हैं तो आपकी त्वचा को रंगों से एलर्जी हो गई तथा इसके लिए आपको डॉक्टर से आवश्यक सलाह जरूर कर लेनी चाहिए। बालों को साफ करने के लिए बालों में फंसे सूखे रंगों तथा माईका को हटाने के लिए बालों को बार-बार सादा ताजा पानी से धोते रहिए। इसके बाद बालों को हल्के हर्बल शैम्पू से धोएं तथा उंगलियों की मदद से शैम्पू को पूरे सिर पर फैला लें तथा इसे पूरी तरह लगाने के बाद पानी से अच्छी तरह धो डालिए। बालों की अंतिम धुलाई के लिए बियर को अन्तिम हथियार के रूप में प्रयोग किया जा सकता है। बीयर में नींबू का जूस मिलाकर शैम्पू के बाद सिर पर उड़ेल लें। इसे कुछ मिनट बालों पर लगा रहने के बाद साफ पानी से धो डालें। होली के अगले दिन दो चम्मच शहद को आधा कप दही में मिलाकर थोड़ी-सी हल्दी में मिलाएं तथा इस मिश्रण को चेहरे, बाजू तथा सभी खुले अंगों पर लगा लें। इसे 20 मिनट लगा रहने दें तथा बाद में साफ ताजा पानी से धो डालें। इससे त्वचा से कालापन हट जाएगा तथा त्वचा मुलायम हो जाएगी। होली के अगले कुछ दिनों अपनी त्वचा तथा बालों के पोषाहार तत्वों की पूर्ति करें। एक चम्मच नारियल तेल में एक चम्मच अरण्डी का तेल मिलाकर इसे गर्म करके अपने बालों पर लगा लीजिए। एक तौलिए को गर्म पानी में भीगो कर पानी को निचोड़ दीजिए तथा तौलिए को सिर पर लपेट लीजिए तथा इसे 5 मिनट तक पगड़ी की तरह सिर पर बंधा रहने दीजिए। इस प्रक्रिया को 4-5 बार दोहराइए इसे खोपड़ी पर तेल को जमने में मदद मिलती है। एक घंटा बाद बालों को साफ ताजा पानी से धो डालिए।

(लेखिका अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ हैं।)

सू-दोकू नवताल -2060

					4	6	3	
	1				6			
	2	8						
	8	3	5					1
2					9	7	4	
						4	5	
			2				1	
	5	7	8					

सू-दोकू -2059 का हल

3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2060

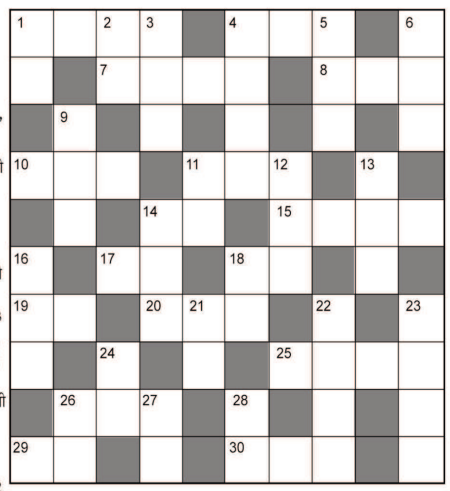

बायें से दायें:-

1. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-2,2
4. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-3
7. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-4
8. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-3
10. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-3
11. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-3
14. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-2
15. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-4
17. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-2
18. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-2
19. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-2
20. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-3
25. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-4
26. 'ये दुनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-3
29. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-2
30. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-2
2. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-2
3. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-3
4. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-4
5. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-3
6. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-3
9. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-3
11. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-2
12. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-3
13. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-3
14. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-3
16. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
18. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-2
21. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-2
22. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-4
23. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-4
24. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-2
27. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-2
28. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2059

शिबानी दांडेकर ने प्रेग्नेंसी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर 19 फरवरी को खंडाला फार्महाउस में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंधे हैं। शादी से कपल की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं। कई तस्वीरों को देखकर तो फैंस ने कयास लगाने शुरू कर दिए कि शिबानी दांडेकर प्रेग्नेंट हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने प्रेग्नेंसी के कयासों पर चुप्पी तोड़ी है और अपने ही अंदाज में अफवाहों को खारिज किया है। शिबानी दांडेकर ने हाल ही में अपनी इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो स्लिम फिगर और सपाट पेट के साथ नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा मैं महिला हूं! मैं गर्भवती नहीं हूं! यह टकीला था । इस वीडियो में न्यूली मैरिड शिबानी सपोर्ट्स ब्रा और ब्लैक शॉर्ट में नजर आ रही हैं। उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

सुधांशु सरिया की सना में नजर आएंगी राधिका मदान

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधांशु सरिया की आगामी फिल्म सना में अभिनय करती नजर आएंगी। राधिका मदान कहती हैं कि मुझे खुशी है कि मुझे इसके लिए साइन किया गया है। यह एक बहुत ही आत्मनिरीक्षण और मनोरंजन के विभिन्न ब्रांड के साथ एक मजेदार चरित्र है। सरिया फिल्म के निर्माता, निर्देशक और लेखक है। आगामी फिल्म राधिका अभिनीत एक आत्मनिरीक्षण ड्रामा है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरु होगी। इसका प्री-प्रोडक्शन काम अब पूरे जोरों पर है। सरिया कहते हैं कि सना में भौगोलिक क्षेत्र और संस्कृतियां देखने को मिलेंगी। यह आत्मनिरीक्षण, सामयिक और इसके केंद्र में एक शानदार शीर्षक चरित्र के साथ प्रासंगिक है। फोर लाइन एंटरटेनमेंट में हम सभी इस यात्रा पर जाने के लिए उत्साहित हैं। फोर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित और राधिका अभिनीत, सना जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

फिल्म बेधड़क से 3 नए चेहरे लॉन्च करने जा रहे करण जौहर

फिल्ममेकर करण जौहर स्टार किड्स के गॉडफादर माने जाते हैं। वह कई नए चेहरों को अब तक इंडस्ट्री में लॉन्च कर चुके हैं। अब करण जौहर तीन और नए चेहरों को बॉलीवुड की दुनिया में लॉन्च कर रहे हैं। करण ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है। फिल्म का नाम बेधड़क है। इस फिल्म से करण जौहर संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर को लॉन्च करने जा रहे हैं। शनाया के साथ इस फिल्म से लक्ष्य और गुरफतेह सिंह पीरजादा भी डेब्यू करने जा रहे हैं। धर्मा प्रोडक्शंस ने इन तीनों का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर करते हुए इनका परिचय कराया है। इन पोस्टर को शेयर करते हुए करण जौहर ने कैप्शन में लिखा, हम प्यार के नए एरा को लेकर आ रहे हैं, जो पैशन, इंटेंसिटी और बाउंड्रीज से भरा है और जो क्रॉस होंगी। फिल्म बेधड़क को शशांक खेतान निर्देशित करेंगे। लक्ष्य का पोस्टर शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, लगता है कि यह आपके दिल को उतनी ही आसानी से पिघला देगा जितनी आसानी से उनकी मुस्कान। पेश है करण का किरदार निभाने वाले लक्ष्य। यह फिल्म भावनाओं के उस्ताद शशांक खेतान द्वारा निर्देशित होगी। शनाया कपूर का पोस्टर शेयर करते हुए करण ने लिखा, पेश बेधड़क में निमृत का किरदार निभाने वाली खूबसूरत शनाया कपूर। मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूं कि शनाया कपूर स्क्रीन पर अपना जादू कैसे बिखेरती हैं। वहीं गुरफतेह का पोस्टर शेयर करते हुए करण ने लिखा, उनका दिलकश अंदाज आपको कुछ ही समय में मदहोश कर देगा! अंगद के चरित्र को बेधड़क में जीवंत देखें गुरफतेह के साथ बड़े पर्दे पर उनकी सहजता को लेकर!

शिल्पा ने शुरू की फिल्म सुखी की शूटिंग

समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म शेरनी, छोरी और जलसा के बाद भूषण कुमार और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट अब प्रस्तुत करेंगे शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की फिल्म सुखी - की शुरू हुई फिल्म की शूटिंग। शेरनी, छोरी और जलसा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए की गई सक्सेसफुल कोलेबोरेशन के बाद, टी-सीरीज़ और अबुदंतिया एंटरटेनमेंट एक बार फिर फिल्म सुखी के लिए एक साथ आ रहे हैं। इस फिल्म के साथ सोनल जोशी अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू कर रही हैं। सुखी यह बहुत ही मनोरंजक, लाइट हार्टेड और स्लाइस ऑफ लाइफ फ़िल्म हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा अहम भूमिका में नज़र आएंगी।

डीप नेक टॉप में क्लीवेज दिखाकर गंदी बात फेम फ़्लोरा ने बरपाया कहर

अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया। चार मिनट के वीडियो में अभिनेत्री फैंस के साथ बात करती दिख रही हैं। फ़्लोरा के ऑउटफिट की बात करें तो उन्होंने पीले रंग का डीप नेक टॉप और मल्टी कलर पैंट पहनी हुई है। अभिनेत्री के इस हॉट लुक पर अबतक तक हजारों लोग मर मिटे हैं। फिल्मों से लेकर वेब सीरीज तक अपनी हॉटनेस से लोगों के होश उड़ाने वाली अभिनेत्री फ्लोरा सैनी इस समय सोशल मीडिया पर चर्चा में बनी हुई है। अभिनेत्री ने बीते दिन अपनी एक हॉट वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करके एक बार फिर अपने फैंस के दिल धड़का दिए हैं। फ़्लोरा के फैंस को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

सेलिब्रिटी होने के कारण इंडिपेंडेंट महसूस करने में

मुश्किल होती थी: माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित ने हाल ही में वेब सीरीज द फेम गेम से ओटीटी डेब्यू किया है। सीरीज में माधुरी एक सुपरस्टार की लाइफ जीते नजर आ रही हैं। माधुरी असल जिंदगी में भी सुपरस्टार है और इसी स्टार स्टेट्स के कारण माधुरी कभी पूरी तरह से खुद को इंडिपेंडेंट नहीं महसूस कर पाईं। माधुरी ने बताया कि भारत में उनके माता- पिता उन्हें फिल्म के सेट पर छोड़ने जाते थे। यहां तक कि लगभग 20 लोगों की एक टीम हमेशा उनके इर्द-गिर्द होती थी इसलिए अपना काम खुद करने जैसा कुछ उनके लाइफ में नहीं था। हालांकि, शादी के बाद अमेरिका शिफ्ट होने के बाद ये चीजें बदल गईं। माधुरी ने कहा, मैं एक बहुत ही संरक्षित वातावरण में पली-बढ़ी हूं। मेरे माता-पिता हमेशा मेरे साथ रहते थे, तब भी जब मैं काम कर रही थी। लेकिन जब मेरी शादी हो गई, तो मैंने खुद फैसले लेना शुरू कर दिया। अमेरिका में रहने के कारण मैंने जीवन के बारे में बहुत कुछ सीखा। जब मैं भारत में थी, तो हर समय लगभग 20 लोग मेरे इर्द-गिर्द होते थे, लेकिन वहां मैं बहुत स्वतंत्र थी। बता दें कि माधुरी ने 7 अक्टूबर 1999 को डॉ. श्रीराम नेने से शादी की थी। शादी के बाद वह अमेरिका शिफ्ट हो गई थीं। कपल के दो बेटे अरिन और रायन है। माधुरी अपने पति और बच्चों के संग दोबारा मुंबई में शिफ्ट हो गई हैं।

13 मई को रिलीज होगी रणवीर सिंह की फिल्म जयेशभाई जोरदार

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की अगली फिल्म जयेशभाई जोरदार 13 मई को रिलीज होने के लिए बिल्कुल तैयार है। यह फिल्म पहले फरवरी में रिलीज होने वाली थी। हालाँकि, ओमिक्रॉन के प्रकोप के कारण रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया था। रणवीर बताते हैं कि लोग जयेशभाई के किरदार से क्या उम्मीद कर सकते हैं। वे कहते हैं कि जयेश बड़ा नायक नहीं है, लेकिन कहानी के दौरान वह साहसिक काम करता है। यही वह चीज है जिससे मैं आकर्षित हुआ। वह एक नायक के रूप में विकसित होता है। वह बहुत ही अपरंपरागत टाइप का सुपरहीरो हैं। रणवीर जयेशभाई जोरदार के निर्देशक दिव्यांग ठक्कर की तारीफ करते है। उन्हें लगता है कि यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे प्यारी फिल्मों में से एक होगी। रणवीर कहते हैं कि मेरे गुरु आदित्य चोपड़ा ने एक दिन मुझे फोन किया और उन्होंने कहा कि मुझे एक चमत्कारिक स्क्रिप्ट मिली है और मैं चाहूंगा कि आप इसे सुनें। मैं नरेशन के लिए गया। दिव्यांग ठक्कर जिन्होंने पहले कभी कुछ निर्देशित नहीं किया, उन्होंने मुझे कहानी सुनाई। मैं एक ही समय में हंस और रो रहा था। मेरे पास टेबल पर एक टिशू बॉक्स रखा था जो कि कथन के अंत तक खत्म हो गया था। मैंने इस फिल्म के लिए तुरंत हां कह दिया। इस फिल्म का दिल लेखक-निर्देशक दिव्यांग ठक्कर हैं। उन्होंने आगे कहा कि जयेश एक ऐसा चरित्र है जिसे मैंने पहले कभी नहीं आजमाया है और इसलिए यह मेरे लिए पूरी तरह से नया था। मैंने अपने लिए कुछ अनोखा और मूल बनाने की संभावना देखी है और एक कलाकार के रूप में, यह एक बहुत ही संतोषजनक प्रक्रिया रही है।

रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग रूकने का नाम ही नहीं ले रही। रूस द्वारा लगातार हमले किए जा रहे हैं। कई भारतीय छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं। काफी छात्र सुरक्षित भारत लौट आए हैं और जो रह गए हैं उन्हें भी लाने की तैयारी की जा रही है। इस युद्ध में एक बार फिर एक्टर सोनू सूद मसीहा बने नजर आ रहे हैं।

अब यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों के लिए मसीहा बने सोनू

यूक्रेन से सुरक्षित लौटे एक छात्र ने वहीं का पूरा हाल सुनाया और बताया कि सोनू सूद की टीम ने कैसे उनकी मदद की। सोनू नेखुद ये वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। यूक्रेन से जब फ्लाइट दिल्ली आई तो छात्र ने अपनी पूरी कहानी सुनाई। वीडियो में छात्र कह रहा है- मैं ल्वीव का मेडिकल स्टूडेंट हूं और यह सबसे सेफ था। एंबैसी से हमें 15 दिनों पर युद्ध के कंडिशन के बारे में नोटिस आया कि आपकी इच्छा हो तो आप जा सकते हैं और यदि आपको सेफ लग रहा हो तो आप रुक सकते हो। सभी कह रहे थे कि ल्वीव सेफ है, यूनिवर्सिटी तो ये कह रही थी कि वॉर तो 8 साल से चल रहा है तो यूनिवर्सिटी थोड़े बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी खुली रहेगी और यूक्रेन का सिस्टम ये है कि तीन एब्सेंट पर वे निकाल देते हैं। इसलिए डरकर मैं नहीं आया। जब ये कंडिशन शुरू हुई, एंबैसी ने कहा जिनके पास जो बॉर्डर है आप वहां से निकल जाइए। मेरे पास था पोलैंड बॉर्डर। छात्र ने आगे कहा- पोलैंड बॉर्डर में 3 बॉर्डर हैं, मैं निकला और रात हो चुकी थी। बस ने मुझे 20 मिनट पहले उतार दिया था। ठंड में बड़ी मुश्किल से हमने अपने लिए सेंटर ढूंढा, सुबह होते ही हम वहां से निकले और मेरे फ्रेंड ने वीडियो भेजा कि वहां मारपीट हो रही है और बच्चों के साथ गंदा सलूक हो रहा है। फिर मैं गया नहीं और लौटकर आ गया। इसके बाद मेरा कॉन्टैक्ट हुआ सोनू सूद की टीम से। उनकी टीम ने मुझे गाइड किया और बताया कि कौन सा बॉर्डर सबसे सेफ है, जबकि उस बॉर्डर का मेंशन एंबेसी ने नहीं किया था। मैं रात के 12 बजे निकला और तिरंगा लगाकर निकाला और इसका असर ये हुआ कि झंडे को देखकर किसी ने रोका नहीं और बॉर्डर पर हमें खाना भी खिलाया। फिर वहां से मैं सुरक्षित निकल पाया।

एनएसई ने प्रबंध निदेशक पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए

नई दिल्ली । नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने नए प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी की तलाश शुरू कर दी है क्योंकि इसके मौजूदा प्रमुख विक्रम लिमये का पांच साल का कार्यकाल जुलाई में समाप्त होने जा रहा है। शुक्रवार को जारी एक सार्वजनिक नोटिस में एनएसई ने इस पद के लिए ऐसे उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं जिन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का अनुभव हो। आवेदन देने की अंतिम तिथि 25 मार्च है। हालांकि लिमये को एक और कार्यकाल मिल सकता है लेकिन सेबी के नियमों के मुताबिक अगला कार्यकाल पाने के लिए उन्हें अन्य उम्मीदवारों से स्पर्धा करनी होगी। लिमये को एनएसई का प्रमुख जुलाई 2017 में बनाया गया था। शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में संचालन स्तर पर चूक मामले की जांच चल रही है।

यूएन का दूरसंचार निकाय आईटीयू दिल्ली में खोलेगा क्षेत्रीय कार्यालय

नई दिल्ली । सयुंक्त राष्ट्र (यूएन) का दूरसंचार निकाय अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) दक्षिण एशिया के लिए नई दिल्ली में एक क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र स्थापित करेगा। इस केंद्र को स्थापित करने के लिए दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव और आईटीयू के महासचिव हाउलीन जाओ ने ऑनलाइन माध्यम से एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना से भारत और दक्षिण एशियाई देशों को वैश्विक नीति और दूरसंचार के क्षेत्र में मानक निर्माण में अधिक पहुंच और संपर्क मिलेगा। समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा कि सरकार और आईटीयू ने पूरे दक्षिण एशियाई क्षेत्र के दूरसंचार के लिए एक क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए है।

जेट एयरवेज में मुख्य कार्यपालक अधिकारी बने संजीव कपूर

मुंबई। विमानन कंपनी जेट एयरवेज ने संजीव कपूर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त करने की शुक्रवार को घोषणा की। कुछ दिन पहले, जेट एयरवेज ने श्रीलंकन एयरलाइंस के पूर्व सीईओ विपुल गुणतिलक को मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) नियुक्त किया था। जेट एयरवेज फिर से अपना परिचालन शुरू करने की तैयारियों में लगी हुई है। कर्ज बोझ बढ़ने के बाद उसे अपना परिचालन बंद करना पड़ा था जिसके बाद जालान-कैलरॉक कंसोर्टियम के प्रमुख साझेदार मुरारी लाल जालान ने कहा, ''सीईओ के रूप में संजीव और सीएफओ के रूप में विपुल का साथ पाकर मुझे विश्वास है कि जेट एयरवेज अपनी खोई प्रतिष्ठा फिर से हासिल करेगी।'' कपूर ओबेरॉय होटल्स ऐंड रेजॉर्टस में प्रेसिडेंट के पद पर कार्यरत हैं।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी जारी, खरीदने से पहले चेक करें भाव

बिजनेस डेस्क । सोने के भाव में ताबड़तोड़ तेजी के बाद आज इसके रेट 52,000 रुपए प्रति 10 ग्राम को पार कर गए हैं। पिछले कुछ दिनों से सोने के रेट में लगातार तेजी दर्ज की जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने के भाव में 0.45 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। वहीं चांदी की कीमतें 0.54 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रही हैं। अप्रैल डिलीवरी वाले गोल्ड की कीमत आज 0.45 फीसदी की तेजी के साथ 52,005 रुपए प्रति 10 ग्राम के लेवल पर है। वहीं आज के कारोबार में चांदी के रेट 0.54 फीसदी बढ़ गए हैं। आज 1 किलो चांदी का भाव 68,270 रुपए है। आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

बिटकॉइन, डॉगकोइन, शीबा इनु, कार्डानो पांच फीसदी गिरे

मुंबई ।

दुनियाभर के क्रिप्टोकरेंसी बाजारों में शुक्रवार 4 मार्च को कमजोरी देखने को मिल रही हैं। बिटकॉइन, डॉगकोइन, शीबा इनु, कार्डानो 5 फीसदी से अधिक गिर गए हैं। बिटकॉइन के दाम एक बार फिर से 41500 रुपए से नीचे आ गए हैं। जबकि सार्वको लिक उच्च स्तर से करीब 30 फीसदी नीचे है। वहीं दूसरी ओर रूस-यूक्रेन वॉर के बीच अभी कुछ क्रिप्टोकरेंसी एकसचेंज रूस में बने हुए हैं। जिससे पश्चिमी देशों के प्रतिबंध कमजोर पड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि क्रिप्टोकरेंसी में, बिटकॉइन की कीमत शुक्रवार को पिछले दो दिनों में बढने के बाद 42,000 डॉलर के स्तर से नीचे गिर गई। दुनिया की सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी 5 फीसदी से अधिक गिरकर 41,383 डॉलर पर कारोबार कर रही थी।

डिजिटल टोकन अब तक 2022 में लगभग 10 फीसदी नीचे है। हालांकि, यह पिछले साल नवंबर में अपने रिकॉर्ड हाई 69,000 डॉलर से 30 फीसदी से अधिक दूर है। ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप 2 ट्रिलियन डॉलर के निशान से नीचे गिर गया, यह पिछले 24 घंटों में 5 फीसदी की गिरावट के साथ 1.91 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है। मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी इथेरियम 7 फीसदी से ज्यादा गिरकर 2,727 डॉलर हो गया। दूसरी ओर, डॉगकोइन की कीमत भी 5 फीसदी डॉलर गिरकर 0.12 डॉलर हो गई, जबकि शीबा इनु भी 5 फीसदी से अधिक गिरकर 0.000025 डॉलर हो गई। अन्य डिजिटल टोकन के प्रदर्शन में भी गिरावट आई क्योंकि टेरा, सोलाना, पॉलीगॉन में वृद्धि हुई, अन्य डिजिटल टोकन के प्रदर्शन में भी गिरावट आई क्योंकि टेरा, सोलाना, पॉलीगॉन में वृद्धि हुई, जबकि हिमस्खलन, तारकीय, एक्सआरपी, लिटकोइन, कार्डानो, पोलकाडॉट, यूनिस्वैप की कीमतें पिछले 24 घंटों में 2-8 फीसदी की कटौती के साथ कारोबार कर रही थीं।

काल में महंगी कारों की बिक्री में आई तेजी

नई दिल्ली । कोरोना काल के दौरान देश में महंगी कारों की बिक्री में तेजी के साथ इजाफा हो गया है। जर्मनी की दिग्गज ऑटो कंपनी मर्सिडीज बेंज ने पिछले साल भारत में 80 फीसदी ज्यादा महंगी कारें बेची। मर्सिडीज बेंज की भारतीय यूनिट मर्सिडीज बेंज इंडिया के मुताबिक उसने साल 2021 में पिछले साल रोजाना करीब छह कारें बेची। इन कारों की कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है। कंपनी का मानना है कि इस साल उसकी महंगी कारों की बिक्री में 20 फीसदी तेजी आने का अनुमान है। माना जा रहा है कि पिछले साल भारतीय अमीरों की वेल्थ में इजाफा हुआ की संख्या 11 फीसदी बढ़कर 458,000 पहुंच गई। मर्सिडीज बेंज इंडिया के पास अभी 3,000 से अधिक गाड़ियों का ऑर्डर है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के पास अभी 3,000 से अधिक गाड़ियों का ऑर्डर है। मर्सिडीज बेंज इंडिया के पास अभी 3,000 से अधिक गाड़ियों का ऑर्डर है। कंपनी ने देश में महंगी गाड़ियों की बिक्री बढ़ाने के लिए नई पीढ़ी की मर्सिडीज बेंज एसक्लास लॉन्च की। इसके दो वैरिएंट भारत में उतारे गए हैं। इसमें से एस 580 वैरिएंट को भारत में एसेंबल किया जाएगा और इसकी कीमत 2.5 करोड़ रुपए होगी। दूसरी ओर एस680 वैरिएंट को आयात किया जाएगा और इसकी कीमत 3.2 करोड़ रुपए होगी।

फिटबिट ने 17 लाख स्मार्टवॉच को रिकॉल किया, बैटरी के कारण आ रही दिक्कत

मुंबई । फिटबिट ने अपनी 17 लाख स्मार्टवॉच को रिकॉल किया है। कंपनी ने अपनी आइकोनिक स्मार्टवॉच को रिकॉल किया है, जिसका इस्तेमाल स्टेप और दूसरी एक्टिविटी ट्रैकिंग में होता है। ब्रांड के फैसले की वजह वॉच की बैटरी है। दरअसल, फिटबिट की आइकोनिक वॉच में बैटरी ओवरहीटिंग और यूजर्स के घायल होने की शिकायत मिल रही थी। अमेरिकी कंज्यूमर प्रोडक्ट सेफ्टी कमीशन ने एक रिकॉल नोटिस में कहा कि उन्हें 100 से ज्यादा आईकोनिक यूजर्स की शिकायत मिली है, जो स्मार्टवॉच की वजह से जल गए हैं।इसमें से कुछ लोगों ने सेकेंड डिग्री और थर्ड डिग्री बर्निंग की शिकायत की है। कमीशन ने कहा, कंज्यूमर्स को तुरंत ही रिकॉल की गई आइकोनिक स्मार्टवॉच को इस्तेमाल करना बंद कर देना चाहिए। फिटबिट ने लगभग 10 लाख आईकोनिक स्मार्टवॉच सिर्फ अमेरिकी बाजार में ही बेची है, और अमेरिका के बाहर ब्रांड ने 6,93,000 स्मार्टवॉच बेची है। फिटबिट रिकॉल्ड स्मार्टवॉच के लिए 299 डॉलर (लगभग 22,696 रुपये) का रिफंड दे रही है।इस स्मार्टवॉच का प्रोडक्शन ताइवान में हुआ था, लेकिन कंपनी ने साल 2020 में बेचना बंद कर दिया। बता दें कि रिकॉल सिर्फ चार वेरिएंट्स को किया गया है। ब्रांड ने बताया कि जो भी कंज्यूमर्स इस रिकॉल की वजह से प्रभावित हुए है, ।

रूस-यूक्रेन संकट के कारण घरेलू इस्पात पांच हजार रुपए प्रति टन तक महंगा

नई दिल्ली।

घरेलू इस्पात विनिर्माताओं ने हॉट रोल्ड कॉयल (एचआरसी) और टीएमटी सरिये का दाम पांच हजार रुपए प्रति टन तक बढ़ा दिया है। यूक्रेन संकट के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से घरेलू निर्माताओं ने इस्पात के दाम बढ़ाए हैं। उद्योग से जुड़े सूत्रों के अनुसार पिछले कुछ दिनों में इस्पात की कीमतों में वृद्धि की गई है और आने वाले हफ्तों में रूस-यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष गहराने के साथ इसकी कीमत में और वृद्धि होने के आसार है। सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि कीमतों में बदलाव के बाद एचआरसी का भाव 66,000 रुपए प्रति टन पर पहुंच गया है। इसी तरह टीएमटी की कीमत लगभग 65,000 रुपए प्रति टन पर आ गई है। एक इस्पात कंपनी के अधिकारी ने बताया कि इस्पात की कीमतों में कुछ हफ्ते पहले की तुलना में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वही कोकिंग कोल की कीमत 500 डॉलर प्रति पर पहुंच गई है। गौरतलब है कि भारत अपनी जरुरत का 85 प्रतिशत कोकिंग कोल आयात के जरिए पूरा करता है। कोकिंग कोल कच्चा माल बनाने वाला एक प्रमुख इस्पात है। यह ज्यादतर ऑस्ट्रेलिया के आयत किया जाता है और कुछ हिस्सा दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और अमेरिका से खरीदा जाता है। इस्पात समेत घरेलू क्षेत्रों पर रूस-यूक्रेन के प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर, टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी टीवी नरेंद्रन ने कहा, रूस और यूक्रेन दोनों ही कोकिंग कोल और प्राकृतिक गैस सहित कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता होने के अलावा इस्पात के विनिर्माता और निर्यातक हैं। इन दोनों देशों के बीच जारी सैन्य संकट आपूर्ति एवं मांग की गतिशीलता, कच्चे माल की लागत और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। नरेंद्रन वैश्विक उद्योग निकाय वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन के सदस्य भी हैं। उन्होंने कहा, हम लगातार स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और अपने ग्राहकों और हितधारकों को इसके असर से बचाए रखने के लिए हमारे पास कुछ योजनाएं हैं। इस मामले पर जेएसडब्ल्यू स्टील ने जहां टिपण्णी देने से मना कर दिया, वहीं जेएसपीएल, एएमएनएस इंडिया, सेल और आरआईएनएल को भेजे गए । ईमेल का उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

कच्चा तेल का भाव 117 डॉलर पर

मुंबई । रूस और यूक्रेन के बीच लगातार जारी संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत एक दशक के शिखर पर जा पहुंची। तीन फीसदी से ज्यादा की तेजी लेते हुए इसका भाव 117 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। गौरतलब है कि ब्रेंट क्रूड के दाम में उबाल से भारतीयों की चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में आई एक हालिया रिपोर्ट की मानें तो ओपेक प्लस देशों ने कच्चे तेल का उत्पादन न बढ़ाने के फैसला किया है। यही कारण है कि कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। जिस तरह कच्चा तेल की कीमतें बढ़ी है वहीं दूसरी ओर डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 2.67 फीसदी की तेजी लेते हुए 113.6 डॉलर प्रति बैरल हो गई। ब्रेंट क्रूड का भाव 2011 के बाद सबसे ज्यादा है। गौरतलब है कि कच्चे तेल की कीमतों में आ रहे उछाल का सबसे ज्यादा असर भारत पर दिखाई देगा। इसके कारण देश में पेट्रोल और डीजल के दाम में बड़ी तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। बता दें कि कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद भी देश में बीते चार महीनों से पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर बने हुए हैं। हालांकि इसके पीछे देश के पांच राज्यों में जारी विधानसभा चुनाव को कारण बताया जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार 10 मार्च को चुनाव परिणाम सामने आने के बाद देश में इनकी कीमत बढ़ सकती है।

महिंद्रा ने फरवरी में बेचे कुल 54,455 वीइकल्स

नई दिल्ली ।

चालू साल में महिंद्रा एंड महिंद्रा कंपनी की यूटिलिटी वीइकल और पैसेंजर वीइकल सेगमेंट के साथ ही कॉमर्शियल वीइकल सेगमेंट में भी ग्रोथ देखने को मिल रही है। फरवरी 2022 में महिंद्रा की ओवरऑल ऑटो सेल्स में 89 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिल रही है और कंपनी ने बीते फरवरी महीने में कुल 54,455 वीइकल्स बेचे हैं। अब आपको बताते हैं कि महिंद्रा ऑटो ने किन-किन सेगमेंट में कितने वीइकल्स बेचे हैं? पिछले महीने, यानी फरवरी 2022 में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कुल 54,455 वीइकल्स बेचे, जिनमें यूटिलिटी वीइकल्स सेगमेंट में कुल 27551 यूनिट बिकी। वहीं, इस सेगमेंट में 2,814 वीइकल एक्सपोर्ट किए गए। वहीं, पैसेंजर वीइकल सेगमेंट में महिंद्रा ने कारों और वैन की कुल 112 यूनिट बेची। कंपनी ने कॉमर्शियल वीइकल सेगमेंट में 119 फीसदी सालाना बढ़ोतरी दर्ज कराते हुए फरवरी 2022 में कुल 20,166 यूनिट्स बेचे। आपको जानकर अच्छा लगेगा कि बंपर बिक्री हो रही है और फरवरी 2022 में यह आंकड़ा अब तक का बेस्ट है, यानी एसयूवी भी लोगों की फेवरेट कार कंपनी बन गई है। महिंद्रा की एसयूवी की भारत में बंपर बिक्री हो रही है और फरवरी 2022 में यह आंकड़ा अब तक का बेस्ट है, यानी एसयूवी सेगमेंट में टाटा की तरह ही महिंद्रा भी लोगों की फेवरेट कार कंपनी बन गई है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड में ऑटोमोटिव डिविजन के सीईओ विजय नाकरा ने साल 2022 के दूसरे महीने में हमने 54,455 वीइकल्स बेचे हैं, जो कि मजबूत ग्रोथ के साथ है। उन्होंने कहा कि डोमेस्टिक मार्केट में पैसेंजर और कॉमर्शियल वीइकल्स की अच्छी बिक्री के साथ ही एक्सपोर्ट में भी ग्रोथ हमारे लिए उत्साहजनक है। फिलहाल कंपनी महिंद्रा एक्सयूवी700, एक्सयूवी300, महिंद्रा थार, महिंद्रा स्कॉर्पियो और महिंद्रा बोलेरो जैसी एसयूवी की बंपर बिक्री करती है।आपको बता दें कि महिंद्रा इस साल भारत में केयूवी100 इलेक्ट्रिक और एक्सयूवी300 इलेक्ट्रिक जैसी नई इलेक्ट्रिक कारों के साथ ही अपडेटेड स्कॉर्पियो और एक्सयूवी500 भी लॉन्च करने की तैयारी में है।

इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड में हुआ इजाफा

नई दिल्ली । भारत में इलेक्ट्रिक टू वीलर्स की डिमांड में काफी इजाफा हुआ है। यह माइलेज के मामले में काफी किफायती होते हैं। हम आपको रिवॉल्ट 400 बाइक के माइलेज के बारे में बताएंगे। इसमें इलेक्ट्रिक बाइक में 3.24 किलोवाट का बैटरी पैक दिया गया है।यह बाइक बायर्स के बीच काफी पॉप्युलर है। जुलाई में जब कंपनी ने इस बाइक के लिए बुकिंग्स ओपन की थी तो सारी यूनिट्स मिनटों में बिक गई थी। कंपनी ने दिल्ली, मुंबई, पुणे, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे 6 शहरों में इसकी बुकिंग शुरू की थी। रिवॉल्ट आरवी 400 में 156 किलोमीटर तक का रेंज मिलता है। यानी एक बार फुल चार्ज करने पर यह इलेक्ट्रिक बाइक बिना रुके 156 किलोमीटर तक का सफर तय करती है। वहीं, रफ्तार की बात करें, तो इसमें 85 किलोमीटर प्रति घंटे की टॉप स्पीड मिलती है। इसका वजन 108 किलोग्राम है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स मिलते हैं। इनमें ईको, नार्मल और स्पोर्ट शामिल हैं। वर्तमान में भारतीय बाजार में यह सबसे पॉप्युलर इलेक्ट्रिक बाइक्स में शुमार की जाती है । यहां समझने योग्य बात है कि एक किलोवाट की बैटरी को चार्ज करने में एक यूनिट बिजली का खर्च आता है।

टोयोटा ने पिछले महीने बेचीं 8,745 कारें

नई दिल्ली ।

जानीमानी कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने फरवरी 2022 में 8,745 कारें बेचीं, जो कि करीब 19 फीसदी की मंथली ग्रोथ के साथ है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कार सेल्स रिपोर्ट जारी कर दी है। जनवरी 2022 में टोयोटा ने कुल 7328 कारें ही बेची थीं। हालांकि, सालाना ग्रोथ में करीब 38 फीसदी की कमी देखने को मिली है।टोयोटा भारत में ग्लांजा, अर्बन क्रूजर, टोयोटा कैम्री, इनोवा क्रिस्टा और फॉर्च्यूनर जैसी कारें बेचती हैं, जो कि हैचबैक, सेडान और एसयूवी सेगमेंट की हैं। आज हम आपको टोयोटा इंडिया की फरवरी 2022 सेल्स रिपोर्ट से अवगत कराते हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने साल 2022 के दूसरे महीने फरवरी में कुल 8745 कारें बेचीं। यह आंकड़ा तो ज्यादा नहीं है, लेकिन जनवरी 2022 के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा जरूर है। हालांकि, फरवरी में टोयोटा कारों की सालाना बिक्री के आंकड़े देखें तो पिछले साल फरवरी में टोयोटा ने कुल 14,075 कारें बेची थी, जिसका मतलब यह है कि पिछले साल के मुकाबले टोयोटा ने इस साल फरवरी में करीब 38 फीसदी कम कारें बेची हैं। ये सभी डोमेस्टिक मार्केट में टोयोटा की कारों की बिक्री के आंकड़े हैं। टीकेएम में सेल्स और स्ट्रैटजिक मार्केट के एसोसिएट वाइस प्रेजिडेंट अतुल सूद ने प्रीमियम सेडान न्यू काम्री हायब्रिड को मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स पर ग्राहकों के प्रति आभार जताया है। आपको बता दें कि टोयोटा इस साल मारुति सुजुकी के साथ पार्टनरशिप में नई एसयूवी पेश करेगी और साथ ही टोयोटा रूमियन जैसी एमपीवी भी लॉन्च करने की तैयारी में है। सबसे पहले तो लाइफस्टाइल पिकअप ट्रक टोयोटा हाइलक्स आ रही है।

रूस और यूक्रेन जंग से 1970 के बाद का सबसे बड़ा तेल संकट पैदा होने का खतरा: आईएचएस

मुंबई ।

अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस के बैंकिंग सिस्टम पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये देश रूस के ऑयल का भी विरोध कर रहे हैं। दुनियाभर के बैंक, पोर्ट्स और ट्रांसपोर्टर्स रूसी ऑयल से खुद को दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं। इससे 1970 के दशक के बाद सबसे बड़ी ऑयल क्राइसिस का खतरा दिख रहा है। आईएचएस मार्किट के वाइस-चेयरमैन डेनियल येर्गिन ने कहा है कि यूक्रेन पर रूस के हमले से दुनिया में 1970 के दशक के बाद सबसे बड़ी ऑयल क्राइसिस पैदा हो सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार येर्गिन ने कहा कि 1970 के दशक में अरब ऑयल पर बैन और ईरानियन क्रांति के बाद से ऑयल की सबसे बड़ी क्राइसिस सामने आ सकती है। येरगिन का कहना है कि यह 1970 के दशक में अरब तेल प्रतिबंध और ईरानी क्रांति के बाद से सबसे खराब संकट हो सकता है। उस दशक में दोनों घटनाएं तेल के लिए बहुत बड़ा झटका था। येरगिन का कहना है कि यह 1970 के दशक में अरब तेल प्रतिबंध और ईरानी क्रांति के बाद से सबसे खराब संकट हो सकता है। उस दशक में दोनों घटनाएं तेल के लिए बहुत बड़ा झटका था। यद्यपि अमेरिका और अन्य देशों द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध अभी तक लागू नहीं किए गए हैं। येरगिन का मानना है कि बाजार से रूसी बैरल का एक महत्वपूर्ण नुकसान होगा। उनके अनुसार रूस प्रतिदिन लगभग 7.5 मिलियन बैरल तेल और प्रोसेस्ड वस्तुओं का निर्यात करता है। येरगिन के मुताबिक लोजिस्टिक्स के मामले में वास्तव में यह एक बड़ा व्यवधान होने जा रहा है और लोगों को परेशानी होने जा रही है। यह एक आपूर्ति संकट है। यह एक लोजिस्टिक्स संकट है। यह एक भुगतान संकट है और यह 1970 के दशक के पैमाने पर भी हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रतिबंध लगाने वाली सरकारों और उद्योग के बीच मजबूत कम्युनिकेशन सबसे खराब स्थिति का की तरफ बढ़ सकते हैं। येरगिन के मुताबिक सरकारों को स्पष्टता प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नाटो के सदस्य रूस के निर्यात का लगभग आधा हिस्सा प्राप्त करते हैं। लगभग आधा हिस्सा प्राप्त करते हैं। उसका कुछ हिस्सा बाधित होने वाला है।

अगले महीने से 10 फीसदी तक बढ़त सकती है दवाइयों की कीमत

मुंबई ।

अप्रैल से अधिसूचित दवाइयों की कीमतों में 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। राष्ट्रीय दवा मूल्य नियामक थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में हुए बदलाव के हिसाब से इन दवाओं की कीमतें बढ़ाने की इजाजत दे सकता है। भारत में 1.6 लाख करोड़ रुपए मूल्य के दवा बाजार में अधिसूचित दवाओं की हिस्सेदारी 17-18 प्रतिशत है। अधिसूचित दवाओं का मूल्य सरकार तय करती है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य प्राधिकरण (एनपीपीए) औषधि मूल्य नियंत्रण आदेश, 2013 के दायरे में आने वाली दवाओं का मूल्य निर्धारित करता है। हर साल मार्च में नियामक थोक महंगाई में सालाना बदलाव देखकर तय करता है कि दवा कंपनियां दाम कितने बढ़ा सकती हैं। अधिसूचित दवाएं आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) में आती हैं। इस सूची में एंटीबायोटिक , विटामिन, मधुमेह, रक्तचाप नियंत्रक सहित अन्य दवाएं आती हैं। दवा कंपनियां गैर-अधिसूचित दवाओं के दाम हर साल 10 प्रतिशत तक बढ़ा सकती हैं। बढ़ी हुई कीमतें प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल से प्रभावी होती हैं। गैर-अधिसूचित दवाएं मूल्य नियंत्रण के दायरे में नहीं आती हैं। दवा उद्योग को लगता है कि डब्ल्यूपीआई में बदलाव के आधार पर एनपीपीए अधिसूचित दवाओं की कीमतों में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी की अनुमति दे सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के कार्यालय के अनुसार जनवरी 2022 में थोक मूल्य महंगाई 12.96 प्रतिशत थी जो जनवरी 2021 में 2.51 प्रतिशत थी। एनपीपीए के साथ काम कर चुके एक पूर्व सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस वर्ष अप्रैल में अधिसूचित दवाओं की कीमतें बढ़ीं तो यह डीपीसीओ 2013 के बाद से दाम में सबसे बड़ा इजाफा होगा। दवा उद्योग से जुड़े लोग भी इससे सहमत हैं। इस बारे में इस उद्योग के एक प्रतिनिधि ने कहा कि हमें हर साल 0.5 प्रतिशत से 4 प्रतिशत तक दाम बढ़ाने की अनुमति मिलती है, जो अधिकतम होती है। ऐसी करीब 800 दवाएं हैं जो मूल्य नियंत्रण के दायरे में आती हैं। अगर दाम 10 प्रतिशत तक बढ़ते हैं तो 2013 के बाद पहली बार ऐसा होगा जब इतना बड़ा इजाफा होगा। 2016 में तो दवा कंपनियों को अधिसूचित दवाओं की कीमतें घटानी पड़ी थीं क्योंकि वित्तीय वर्ष 2015 में पिछले वर्ष की तुलना में डब्ल्यूपीआई में 2.71 प्रतिशत कमी आ गई थी। वास्तव में कीमतों में बढ़ोतरी 10 प्रतिशत से कम रह सकती है। दवा कंपनियों का कहना है कि इस वर्ष डब्ल्यूपीआई के आधार पर एनएलईएम दवाओं के दाम में 10 प्रतिशत तक वृद्धि की इजाजत दे सकता है मगर वास्तविक इजाफा इतना नहीं होगा।

आकांक्षाओं का प्रबंध करने के लिए प्रभावी संवाद रणनीति की आश्यकता: शक्तिकांत दास

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने केंद्रीय बैंकों में संवाद के लिए प्रभावी नीति की आवश्यकता पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि ''मौद्रिक नीति उम्मीदों का प्रबंधन करने की कला है।'' राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय में व्याख्यान देते हुए दास ने कहा कि अर्थव्यवस्थाओं और बाजारों के विकसित होने के साथ भारत और दुनिया भर में मौद्रिक नीति के संचालन में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि नीति निर्माता इस बात से अच्छी तरह से अवगत हुए हैं कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न पक्ष एक जटिल आर्थिक प्रणाली में किस तरह संवाद करते हैं। दास ने कहा, ''मौद्रिक नीति आकांक्षाओं का प्रबंधन करने की कला है। ऐसे में केंद्रीय बैंकों को न केवल घोषणाओं और कार्यों के माध्यम से, बल्कि वांछित सामाजिक परिणाम प्राप्त करने के लिए अपनी संचार-संवाद रणनीतियों के निरंतर सुधार के माध्यम से भी बाजार की अपेक्षाओं को आकार देने और उन्हें स्थिर करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि संवाद दो तरह से काम करता है। जहां, अत्यधिक संवाद से बाजार में भ्रम की स्थिति बन सकती है वहीं बहुत कम संवाद से केंद्रीय बैंक के नीतिगत उद्देश्यों को लेकर अटकलें शुरू हो सकती हैं।

महिला विश्वकप क्रिकेट:

डॉटिन की शानदार गेंदबाजी से वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को हराया

माउंट माउंगानुइ ।

वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी विश्व कप क्रिकेट के पहले ही मुकाबले में मेजबान टीम न्यूजीलैंड को हरा दिया। माउंट माउंगानुइ के बे ओवल मैदान पर खेले गये इस रोमांचक मैच में मेजबान टीम जीत से केवल 6 रन पीछे थी तभी वेस्टइंडीज की डी डॉटिन ने 5 गेंदों में 3 विकेट लेकर बाजी पलट दी। इस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए मेजबान टीम को जीत के लिए 260 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए कीवी टीम 254 रन ही बना पायी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटरों की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर डॉटिन के साथ हेले मैथ्यूज ओपनिंग के लिए मैदान पर उतरी। डॉटिन 7 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 12 रन बनाकर आउट हो गयी। हेले ने एक छोर संभाले रखा और कप्तान टेलर 30, कैम्बेल 20 और नेशन 36 के साथ मिलकर स्कोर को आगे बढ़ाया। हेले ने 128 गेंदों में 16 चौके और एक छक्के की मदद से 119 रन बनाए और स्कोर 259 तक पहुंचा दिया। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से ताहुहु ने 57 रन देकर तीन, जेस कर ने 43 रन देकर दो तो हन्नाह रोव ने 51 रन देकर एक विकेट लिया। अमेरिया कर भी एक विकेट लेने में सफल रही। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान न्यूजीलैंड की शुरूआत खराब रही।सूजी बेट्स 3 तो अमेलिया कर 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। लेकिन सलामी बल्लेबाज और कप्तान सोफिया डिवाइन ने सूजी बेट्स 3 तो अमेलिया कर 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गई। लेकिन सलामी बल्लेबाज और कप्तान सोफिया डिवाइन ने एक छोर संभाले रखा और शतक जड़ा। सोफिया ने 127 गेंदों में 10 चौकों की मदद से 108 रन बनाए। मार्टिन ने 47 गेंदों में 44 तो जेस ने 21 गेंदों में 25 रन बनाए। यह दोनों अपनी टीम को जीत के बेहद करीब ले आयीं थी पर तभी आखिरी ओवर में डॉटिन ने तीन विकेट लेकर अपनी अपनी टीम को जीत दिला दी।

इगोर स्टिमक ने बहरीन में दो मैत्री मुकाबलों के लिए 38 संभावित खिलाड़ी चुने

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने इस महीने बहरीन के मनामा में होने 2 अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबलों के तैयारी शिविर के लिए 38 संभावित खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की जिसमें 8 नए चेहरे शामिल हैं। गोलकीपर प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज, डिफेंडर दीपक तंगड़ी और रोशन सिंह के अलावा मिडफील्डर विक्रम प्रताप सिंह, वीपी सुहेर, अनिकेत जाधव और जैरी मावमिनगथांगा को पहली बार राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया है। भारत को मैत्री मुकाबलों में 23 मार्च को बहरीन जबकि 26 मार्च को बेलारूस से भिडना है। तैयारी शिविर पुणे में 10 मार्च को शुरू होगा। मौजूदा इंडियन सुपर लीग के सेमीफाइनल में खेल रहे क्लब के खिलाड़ी अपने क्लब की प्रतिबद्धता खत्म होने पर शिविर से जुड़ेंगे। इसके बाद सूची में कटौती की जाएगी। भारतीय टीम 21 मार्च को बेहरीन रवाना होगी। मनामा में होने वाले दो मैत्री मैच 2023 एएफसी एशियाई कप के तीसरे दौर के क्वालीफायर की भारत की तैयारी का हिस्सा हैं। ये क्वालीफायर जून में कोलकाता में होंगे। गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, धीरज सिंह, प्रभसुखन गिल और मोहम्मद नवाज। डिफेंडर : प्रीतम कोटल, आशुतोष मेहता, सेरिटन फर्नांडिज, आशीष राय, राहुल भेके, संदेश झिंगन, दीपक तंगड़ी, नरेंदर गहलोत, चिंगलेनसाना सिंह, सुभाशीष बोस, आकाश मिश्रा, मंदार राव देसाई और रोशन सिंह। मिडफील्डर : उदांता सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, अनिरुद्ध थापा, सहल अब्दुल समद, प्रणल हलधर,।

संक्षिप्त समाचार

विराट टेस्ट क्रिकेट में 8000 रन बनाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने

मोहाली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में 45 रन बनाने के साथ ही अपने 8000 रन पूरे किये हैं। विराट यह उपलब्धि हासिल करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने हैं। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे कोहली ने सबसे तेज 8000 टेस्ट रन बनाने में स्टायलिश बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्म को पीछे छोड़ा है। कोहली टेस्ट में सबसे तेज 8000 रन बनाने वाले पांचवें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 169 पारियों में ये आंकड़ा हासिल किया है जबकि लक्ष्मण ने 201 पारियों में ये उपलब्धि हासिल की थी। लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर 166 पारियों के साथ चौथे स्थान जबकि वीरेंद्र सहवाग 160 पारियों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। वहीं दूसरे नम्बर पर राहुव द्रविड़ हैं जिन्होंने यहां तक पहुंचने के लिए 157 पारियां खेली थी। पहले नंबर पर मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर हैं जिन्होंने मात्र 154 पारियों में टेस्ट में अपने 8000 रन पूरे किए थे।

मप्र की प्रज्ञा ने एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता

भोपाल । मध्य प्रदेश की प्रज्ञा सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। 24 फरवरी से 3 मार्च तक कजाकिस्तान में हुई इस एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में रजत विजेता प्रज्ञा ने मध्य प्रदेश फेंसिंग अकादमी में ट्रेनिंग ली है। मध्य प्रदेश की खेल मंत्री यशोधरा राजे ने इस उपलब्धि पर प्रज्ञा को बधाई दी है। एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप कजाकिस्तान में हुई थी। इस चैंपियनशिप में भारत के 12 सदस्यीय दल ने भी भाग लिया। इसमें मध्य प्रदेश फेंसिंग अकादमी से 2 खिलाड़ियों में प्रज्ञा शामिल थीं। पदक जीतने से उत्साहित प्रज्ञा ने कहा कि अपने प्रदेश और देश के लिए खेलना गर्व की बात है, मुझे खुशी है कि भारत के लिए खेलना का अवसर मिल रहा है। कोच भूपेंद्र सिंह चौहान हमेशा सहयोग करते है। प्रज्ञा ने अबतक राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 11 पदक जीते हैं।

8वीं लाल परेड ओपन भोपाल बैडमिन्टन प्रतियोगिता

भोपाल। पुलिस जिम्नेशियम हॉल में खेली जा रही 8वीं लाल परेड ओपन भोपाल बैडमिन्टन प्रतियोगिता के अंतर्गत 40 वर्ष वर्ग का खिताब अमित साहू ने प्रसन्न हलदे को सीधे गेमों में 21-10, 21-16 से परास्त कर जीत लिया। बालिका अंडर 15 में गरिमा सप्रे और अंडर 11 में अन्विता माहेश्वरी ने फाइनल में प्रवेश किया। प्रतियोगिता लाल परेड ग्राउन्ड स्पोटर्स क्लब द्वारा आयोजित की जा रही है। 40 वर्ष वर्ग के खिताबी मुकाबले में तीसरी वरीयता धारी अमित साहू ने प्रसन्न की गलतियों का लाभ उठाते हुए पहला गेम 21-10 से जीता। दूसरे गेम में प्रसन्न से कुछ अच्छा खेल दिखाते हुए मैच में वापसी करने का प्रयत्न किया, लेकिन अमित से सधे हुए स्मैश व सटीक रिटर्न से अंक बनाते हुए थोडा संघर्ष के उपरांत 21-16 से गेम जीतकर खिताबी जीत दर्ज की। संघर्ष के उपरांत 21-16 से गेम जीतकर खिताबी जीत दर्ज की। गेम हारने के बाद आरोही शर्मा को 17-21, 21-13, 21-10 से हराकरबालिका अंडर 15 सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय गरिमा सप्रे ने पहला गेम हारने के बाद आरोही शर्मा को 17-21, 21-13, 21-10 से हराकर खिताबी मुकाबले में कदम रखा। पहला गेम हारने के बाद गरिमा ने सटीक ताकतवर स्मैश व नेट पर अच्छे प्लेसमेंट से अंक बनाकर मैच अपने पक्ष में किया। सबसे छोटे आयु वर्ग अंडर 11 बनाकर मैच अपने पक्ष में किया। सबसे छोटे आयु वर्ग अंडर 11 बालिका वर्ग में अन्विका माहेश्वरी ने पूरी प्रतियोगिता में अपने उत्कृष्ट खेल को जारी रखते हुए एस श्रीमन को 21-15, 21-17 से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया।

शारजाह में टी20 टूर्नामेंट में खेलते नजर आयेंगे पूर्व क्रिकेटर और बॉलीवुड सितारे

मुम्बई ।

प्रशंसकों को 6 मार्च से शारजाह में एक टी-10 टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों के साथ ही बॉलीवुड अभिनेताओं को खेलते हुए देखने का भी अवसर मिलेगा। इरफान पठान, मोहम्मद कैफ, विनोद कांबली, मुनाफ पटेल और वेंकटेश प्रसाद जैसे भारतीय क्रिकेटर दिखेंगे। अजहरुद्दीन इंडिया लीजेंड्स टीम का नेतृत्व करेंगे। टूर्नामेंट में पाकिस्तान लीजेंड्स (इमरान नजीर के नेतृत्व में) जबकि वर्ल्ड लीजेंड्स इलेवन श्रीलंका के अजंता मेंडिस के नेतृत्व में उतरेगी। इसके अलावा एक बॉलीवुड किंग्स टीम अभिनेता सुनील शेट्टी के नेतृत्व में खेलेगी। इसमें क्रिकेटर से अभिनेता बने एस श्रीसंत और सलिल अंकोला जैसे पूर्व क्रिकेटर भी खेलेंगे। आयोजकों को उम्मीद है कि इस टी20 मुकाबले को देखने के लिए स्टेडियम में भारी तादाद में दर्शक आयेंगे।

चारों टीमें इस प्रकार हैं

इंडिया लीजेंड्स : मोहम्मद अजहरुद्दीन, अजय जडेजा, वूकंरी रमन, विनोद कांबली, मोहम्मद कैफ, रॉबिन सिंह, नयन मोंगिया, इरफान पठान, वेंकटेश प्रसाद, मुनाफ पटेल।

पाकिस्तान लीजेंड्स : इमरान नजीर, मोहम्मद यूसुफ, सलमान बट, तौफीक उमर, मोहम्मद इरफान, यासिर हमीद, राणा नवीद, रजा हसन।

वर्ल्ड लीजेंड्स इलेवन : अजंता मेंडिस, दिलशान तिलकरत्ने, एल्टन चिगुंबुरा, चामिंडा वास, अब्दुल रज्जाक, समीउल्लह शिनवारी, जुपिटर घोष, जॉन सिम्पसन

बॉलीवुड किंग्स : सुनील शेट्टी, सोहेल खान, आफताब शिवदासानी, साकिब सलीम, शब्बीर अहलूवाला, जय भरुशाली, शरद केलकर, सलिल अंकोला, एस श्रीसंत।

जून में दक्षिण अफ्रीका से टी20 सीरीज खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टी20 सीरीज खेलेगी। 5 मैचों की इस घरेलू टी20 सीरीज का आयोजन आईपीएल के 15 सत्र के समाप्त होने के बाद होगा। इसके मुकाबले कटक, विशाखापत्तनम, दिल्ली, राजकोट और चेन्नई में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार इस सीरीज का पहला टी20 मैच 9 जून को जबकि 5वां और अंतिम मुकाबला 19 जून को खेला जाएगा। इस साल के अंत में होने वाले ऑस्ट्रेलिया में अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी20 विश्व कप को देखते हुए ही यह सीरीज दोनों टीमों के लिए अहम बतायी जा रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के हौसले इस समय बुलंद हैं। टीम इंडिया इस समय आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष पर कायम है। भारतीय टीम ने लगातार 12 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर अफगानिस्तान के सबसे ज्यादा मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। टीम इंडिया के पास दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपने नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज करने का अवसर होगा। भारतीय टीम के लिए यह साल बेहद व्यस्त रहने वाला है। भारतीय टीम को जून में आयरलैंड का भी दौरा करेगीहै। क्रिकेट आयरलैंड के जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच जून के अंतिम सप्ताह में 2 टी20 मुकाबले खेले जाएगे। सीरीज का पहला टी20 मैच 26 जून को जबकि दूसरा 28 जून को खेला जाएगा। भारतीय टीम इससे पहले अंतिम बार साल 2018 में आयरलैंड गयी थी।

सचिन से सीखना चाहते हैं ब्रेविस

मुंबई । अंडर-19 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस अपनी अलग पहचान बनाना चाहते हैं। और इसलिए वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से बेहतर बल्लेबाज के टिप्स लेना चाहते हैं। इस क्रिकेटर को हाल ही में हुई आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस ने खरीदा था। उन्होंने 2022 अंडर-19 विश्व कप के दौरान 506 रन बनाते हुए शिखर धवन के एक टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन का रिकॉर्ड (505 रन) तोड़ा था जो उन्होंने 2004 में बनाया था।इसी के साथ ही उन्होंने 7 विकेट भी अपने नाम किए थे। दक्षिण अफ्रीका इसी के साथ ही उन्होंने 7 विकेट भी अपने नाम किए थे। दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स के अंदाज में बल्लेबाजी करने के कारण उन्हें बेबी एबी के नाम से भी लोकप्रियता मिली है पर यह युवा खिलाड़ी तेंदुलकर और डिविलियर्स की तरह विनम्र बने रहना चाहते हैं। ब्रेविस ने तेंदुलकर को आदर्श माना और अब उनकी शैली भी अपनाना चाहते हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि मुंबई इंडियंस के साथ होने से उन्हें तेंदुलकर के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने का मौका मिलेगा। ब्रेविस ने कहा, जिस तरह से उन्होंने खेला वह हमेशा मेरे लिए प्रेरणा थी। उनकी मेरी पसंदीदा पारी वनडे में दोहरा शतक है, जो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था। मुझे अपने भाई के साथ वह मैच देखना याद है - यह एक अद्भुत पारी थी। मैंने उनकी आत्मकथा प्लेइंग इट माई वे पढ़ी और वहां से बहुत सी चीजें हैं जिन्हें मैं अपने खेल में लागू करना चाहता हूं। मैंने उनसे एक बात सीखी है कि आपको विनम्र होना होगा क्योंकि गर्व पतन भी बन सकता है। वहीं अपने वाइड-ओपन स्टांस, हाफ-क्राउच और क्रिस्प शॉट्स के कारण स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स के साथ तुलना के बारे में ब्रेविस ने कहा, उनसे तुलना करना सम्मान की बात है, लेकिन मेरे लिए अपनी खुद की पहचान होना जरूरी है। वहीं अपने वाइड-ओपन स्टांस, हाफ-क्राउच और क्रिस्प शॉट्स के कारण स्टार बल्लेबाज डिविलियर्स के साथ तुलना के बारे में ब्रेविस ने कहा, उनसे तुलना करना सम्मान की बात है, लेकिन मेरे लिए अपनी खुद की पहचान होना जरूरी है। मैं ब्रेविस के नाम से जाना जाना चाहता हूं। ब्रेविस ने कहा कि मुंबई द्वारा चुने जाने से मुझे काफी आत्मविश्वास मिला है। उन्होंने कहा कि मैंने इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं की थी। मैं नीलामी के दौरान सीएसए टी20 चुनौती में टाइटन्स के लिए खेल रहा था और मेरा नाम सचमुच खेल के बीच में आया था। मेरा नाम सचमुच खेल के बीच में आया था। मैं आभारी हूं कि जोफा आर्चर और जसप्रीत बुमराह दोनों टीम में हैं।

यश दुबे के नाबाद शतक से केरल के खिलाफ मध्यप्रदेश की ठोस शुरुआत

रजत पाटीदार (75*) की उम्दा अर्द्धशतकीय पारी

इन्दौर/राजकोट ।

सलामी बल्लेबाज यश दुबे (105*) व रजत पाटीदार (75*) की नाबाद पारियों की बदौलत मध्यप्रदेश ने केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए लीग मैच के पहले दिन दो विकेट खोकर पर 218 रन बना लिये है। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मध्यप्रदेश के सलामी बल्लेबाज हिमांशु मंत्री (23) और दुबे ने पहले विकेट के लिये 62 रन जोड़े। जलज सक्सेना ने मंत्री को राहुल के हाथों झिलवाकर पहली सफलता दिलायी, वहीं बायें हाथ के गेंदबाज सिजोमोन जोसेफ ने शुभम शर्मा (11) को पैवेलियन पहुंचाया। लगातार पिछले दो मुकाबलों में शतकीय पारी खेलने वाले शुभम का कैच विष्णु विनोद ने लपका। दो विकेट खोने के बाद भी यश दुबे ने पूरी एकाग्रता से अपना प्रदर्शन जारी रखा।

तीसरे विकेट के लिए रजत पाटीदार के साथ यश दुबे ने 130 रनों की नाबाद साझेदारी कर पहले दिन के खेल समाप्ति तक 90 ओवर में उन्होने स्कोर को 218 रनों तक पहुंचाया। यश दुबे ने

264 गेंद की अपनी नाबाद शतकीय पारी में 15 चौके जड़े, वहीं रजत पाटीदार ने 13 चौकों की मदद से नाबाद 75 रनों की पारी खेलकर यश का अच्छा साथ दिया। एक समय मध्य प्रदेश के लिए खेलने वाले जलज सक्सेना ने इस सत्र में केरल के लिये खेलते हुए 22 ओवर में 41 रन देकर 1 विकेट लिया, वहीं जोसेफ ने 22 ओवर में 54 रन देकर एक विकेट लिया।

एशियन फेंसिंग चैम्पियनशिप में चमकी म.प्र. की प्रज्ञा की तलवार

भोपाल । मध्यप्रदेश राज्य फेंसिंग अकादमी की तलवारबाज प्रज्ञा सिंह ने ताशकंद के उज्बेकिस्तान में 24 फरवरी से 3 मार्च तक खेली गई एशियन फेंसिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया है। प्रज्ञा सिंह ने यह सफलता फेंसिंग की ईपी इवेंट में हासिल की है। उन्होंने फाइनल में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी के साथ खेलते हुए 45-36 के स्कोर पर रजत पदक हासिल किया। प्रज्ञा सिंह अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक भूपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में फेंसिंग खेल की बारीकियाँ सीख रही हैं। हाल ही में प्रज्ञा सिंह सीनियर ग्रांपी-2022 में भारतीय टीम का हिस्सा रही हैं। खेल मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने प्रज्ञा सिंह की इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि फेंसिंग जैसे खेल में मध्यप्रदेश के किसान की बेटी ने रजत पदक हासिल किया है। यह गौरव का पल है। इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा है कि फेंसिंग जैसे खेल में मध्यप्रदेश के किसान की बेटी ने रजत पदक हासिल किया है। यह गौरव का पल है। मध्यप्रदेश की बेटियों ने हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन शानदार तरीके से किया है। उन्होंने प्रज्ञा सिंह और उनके प्रशिक्षक भूपेन्द्र सिंह को इस सफलता के लिये बधाई दी है।

महा मुकाबले से पहले बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई पाक गेंदबाज नशरा

क्राइस्टचर्च ।

महिला एकदिवसीय विश्व कप में भारत ओर पाकिस्तान टीमें रविवार छह मार्च को आने सामने होंगी। दोनों ही टीमें इस बड़े मुकाबले के लिए तैयार हैं क्योंकि दोनो ने ही अपने दो-दो अभ्यास मैच जीते हैं , ऐसे में दोनो ही टीमें उत्साह से भरी हैं। भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला अभ्यास मैच 2 रन से जीता था। वहीं दूसरा मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ 81 रन से जीता था। पाकिस्तान की बात करें तो उन्होंने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 4 विकेट जबकि दूसरे मैच में बांग्लादेश को 7 रनों से हराया था। इस मुकाबले से पहले ही पाकिस्तान की प्रमुख गेंदबाज नशरा संधू अपनी बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई हैं।

पीसीबी ने सोशल मीडिया पर कुछेक तस्वीरें डाली हैं जिसमें नशरा अपने बल्ले के साथ दिख रही है। पाकिस्तान की प्रमुख गेंदबाज नशरा संधू अपनी बल्ले पर बनी कलाकृतियों के कारण चर्चाओं में आई हैं। पीसीबी ने सोशल मीडिया पर कुछेक तस्वीरें डाली हैं जिसमें नशरा अपने बल्ले के साथ दिख रही है। इस पर कैप्शन दिया गया था, जब वह गेंदबाजी नहीं करती। वह अद्भुत कलाकृति के साथ अपने आस-पास सभी को प्रभावित कर रही है।

महामुकाबले को लेकर दोनों देशों की टीमें

भारतीय महिला टीम : मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर (उपकप्तान), स्मृति मंधाना, शैफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), स्नेह राणा, झूलन गोस्वामी, पूजा वस्त्राकर, मेघना सिंह, रेणुका सिंह ठाकुर, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव। स्टैंडबाय खिलाड़ी :ह्य एस मेघना, एकता बिष्ट, सिमरन दिल बहादुर।

पाकिस्तान महिला टीम : बिस्माह मारूफ (कप्तान), निदा डार (उपकप्तान), ऐमन अनवर, आलिया रियाज अनम अमीन, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, जावेरिया खान, मुनीबा अली, , अनम अमीन, डायना बेग, फातिमा सना, गुलाम फातिमा, जावेरिया खान, मुनीबा अली, नाहिदा खान, नशरा संधू, ओमैमा सोहेल, सिदरा अमीन, सिदरा नवाज़ (विकेटकीपर) ट्रैवलिंग रिजर्व : इरम जावेद, नजीहा अल्वी और तुबा हसन।

हेली ने आईसीसी महिला विश्वकप में पहला शतक लगाया

माउंट मैनगुनेई । वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेटर हेली मैथ्यूज ने आईसीसी महिला विश्व कप के पहले ही मैच में मेजबान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार शतक लगाया है। हेली ने 128 गेंदों पर 119 रन बनाये। इसी के साथ ही वह आईसीसी महिला विश्व कप 2022 में शतक लगाने वाली पहली महिला बल्लेबाज हैं। हेली न्यूजीलैंड में शतक लगाने वाली वेस्टइंडीज की पहली महिला बल्लेबाज हैं। हेली के शतक से ही वेस्टइंडीज ने 50 ओवर में 9 विकेट पर 259 रन बनाए और न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 260 रनों का लक्ष्य रखा है। मैथ्यूज ने अपनी पारी के दौरान 16 चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा वेस्टइंडीज की ओर से शेडियन नेशन ने 36 और कप्तान सारा टेलर ने 30 रनों की पारी खेली। मैथ्यूज ने अपनी पारी के दौरान 16 चौके और एक छक्का लगाया। उनके अलावा वेस्टइंडीज की ओर से शेडियन नेशन ने 36 और कप्तान सारा टेलर ने 30 रनों की पारी खेली। वहीं दूसरी ओर न्यूजीलैंड की ओर से ली तहूहू ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए जबकि जेस केर ने दो जबकि हनाह रो और एमेलिया केर ने एक-एक विकेट लिए।

विधानसभा में असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर कांग्रेस विधायक 7 दिन के लिए सस्पैंड

अहमदाबाद । गुजरात विधानसभा में बजट सत्र के तीसरे दिन आज कांग्रेस विधायक पूजा वंश को 7 दिनों के लिए सदन की कार्यवाही से निलंबित कर दिया है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर विधानसभा अध्यक्ष ने यह कार्यवाही की। पूजा वंश को सस्पैंड किए जाने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने वॉक आउट किया। गुजरात विधानसभा का बजट सत्र की शुरुआत ही हंगामे के साथ हुई थी, जो तीसरे दिन भी बरकरार रही। आज प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक नौशाद सोलंकी और ऋत्विज मकवाणा ने अपने सवाल का उत्तर नहीं मिलने पर विरोध करते हुए सीट छोड़कर नीचे बैठ गए। उस दौरान गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने कांग्रेस विधायकों की इस हरकत पर कहा कि ऐसी दादागिरी सदन में नहीं चलेगी। हर्ष संघवी के बयान के बाद कांग्रेस विधायकों ने सदन में जबर्दस्त हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान कांग्रेस विधायक पूजा वंश ने गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी के खिलाफ असंसदीय भाषा का उपयोग करने पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने-सामने आ गए। संसदीय मंत्री राजेन्द्र त्रिवेदी ने पूजा वंश को सस्पैंड करने की मांग की। विधानसभा अध्यक्ष के कहने पर पूजा वंश ने अपने शब्द वापस ले लिए और कहा कि गृह राज्यमंत्री की बोडी लेंग्वेज और उनकी भाषा ठीक नहीं है। इस मुद्दे पर सदन में करीब 10 मिनट तक दोनों पक्षों के बीच तीखी नोंकझोंक हुई। गृह राज्यमंत्री के खिलाफ असंसदीय भाषा के उपयोग करने पर पूजा वंश को सदन की कार्यवाही से 7 दिनों के लिए सस्पैंड कर दिया गया। भाजपा के मुख्य दंडक पंकज देसाई के पोइंट ऑफ ऑर्डर उठाने पर कांग्रेस विधायक परेश धानाणी ने इसका विरोध किया और कहा कि सरकार बहुमत के दम पर विपक्ष को टार्गेट कर रही है। कांग्रेस के दंडक सीजे चावडा ने पूजा वंश के निलंबन का विरोध किया और कहा कि जब उन्होंने माफी मांग ली है तब इस मुद्दे पर चर्चा की कोई जरूरत नहीं है। सरकार की यह मांग उचित नहीं है। गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने इस मुद्दे पर कहा कि हम शायद नए सदस्य हैं और यहां सीखने की भावना के साथ आए हैं, ऐसे में पूजा वंश की भाषा उचित नहीं है। हम उन्हें अपना वरिष्ठ मानते हैं। मैंने किसी भी तरह की अशोभनीय भाषा या टिप्पणी नहीं की, इसकी जांच कर ली जाए। पूजा वंश को सस्पैंड किए जाने के बाद कांग्रेस विधायक हंगामा करते हुए सदन से वॉक आउट कर गए।

राज्य के 11 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं

अहमदाबाद। गुजरात के 11 जिले और 1 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं है। पिछले 24 घंटों में राज्यभर में केवल 96 नए मरीज सामने आए हैं और 23। ठीक होकर अपने घर लौट गए। राहत की बात यह है कि आज कोरोना से कोई मौत नहीं हुआ। राज्य में कोरोना से स्वस्थ होने का दर 99.02 प्रतिशत पर पहुंच गया है। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान भी मजबूती के साथ चल रहा है और अब तक 99.23 प्रतिशत लोगों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक 38 केस अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में दर्ज हुए हैं। वडोदरा कॉर्पोरेशन में 8, राजकोट कॉर्पोरेशन में 7, तापी में 5, अमरेली, आणंद, वडोदरा में 4-4, बनासकांठा, कच्छ, सूरत में 3-3, डांग, गांधीनगर, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, मेहसाणा, सूरत कॉर्पोरेशन में 2-2, अहमदाबाद, भावनगर कॉर्पोरेशन, दाहोद, खेडा, नवसारी, सुरेन्द्रनगर और वलसाड में 1-1 कोरोना के मामले सामने आए। जबकि अरवल्ली, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, देवभूमि द्वारका, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, महीसागर, मोरबी, नर्मदा, पंचमहल, पाटन, पोरबंदर, राजकोट और पोरबंदर समेत 17 जिले और जूनागढ़ व जामनगर समेत 2 कॉर्पोरेशन में कोरोना का एक भी केस पिछले 24 घंटों में दर्ज नहीं हुआ। जूनागढ़ कॉर्पोरेशन और 11 जिलों में कोरोना का एक भी सक्रिय मरीज नहीं है। पिछले 24 घंटों में 237 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक 121108। लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। जबकि 10934 मरीजों की कोरोना से जान जा चुकी है। फिलहाल राज्य में कोरोना के 1109 एक्टिव मामलों में 1101 स्टेबल हैं और 8 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं। आज राज्यभर में 9923। लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। जिसमें 18 वर्ष अधिक आयु के 8613 को पहला और 39839 लोगों को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 18 वर्षीय आयु के 2469 किशोरों को कोविड की पहली और 32 122 को दूसरी वैक्सीन लगाई गई। जबकि 15594 लोगों को प्रीकॉशन डोज दिया गया।

कामरेज तालुका पंचायत कचहरी में महिलाओं के साथ और घरेलू हिंसा के अधिनियम 2005 के संदर्भ में कानून मार्गदर्शक महिला सिंह नाथ का आयोजन संपन्न

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत जिला कमिश्नर एवं महिला बाल विकास विभाग द्वारा प्रेरित जिला महिला ने बाढ़ अधिकारी के कार्यालय में सूरत द्वारा आयोजित महिलाओं के ऊपर होते घरेलू हिंसा के संदर्भ में सूरज जिला के कामरेज तालुका पंचायत कचहरी में विकास अधिकारी की अध्यक्षता में महिला सेमिनार का आयोजन किया गया। महिलाओं के ऊपर हो रहे घरेलू हिंसा एवं महिलाओं को समाज में मान सम्मान के साथ अपना जीवन जिए और प्रगति करें इस संदर्भ में विगत वार मार्गदर्शन किरण भाई लकुम महिलाओं को संबोधित किया। जिला कोऑर्डिनेटर महेशभाई परमार ने गुजरात सरकार द्वारा महिलाओं के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही है। उस के संदर्भ में उपस्थित महिलाओं को उसकी जानकारी दी। इस अवसर पर कामरेज तालुका की महिला विकास अधिकारी सीताबेन पटेल ने भी उपस्थत महिलाओं का बढ़ाया।

सूरत भूमि, सूरत।

आज ओलपाड तालुका के देलाड, ओलपाड तालुका के अध्यक्ष जयेंद्रभाई देसाई कांग्रेस पार्टी द्वारा माधर गांव में पंजीकृत डिजिटल सदस्यों में से एक थे। ओलपाड तालुका के प्रभारी लक्ष्मीकांत भाई पटेल, सूरत जिले के युवा कांग्रेस के मंत्री प्रीतेशभाई पटेल, तनय भाई देसाई, ओलपाड तालुका के ओलपाड विधान सभा के युवा कांग्रेस के महासचिव, ओलपाड तालुका के महासचिव विवेक भाई पटेल, देलाडगाम के अग्रणी हसुभाई अहीर, हेमल राठौर हैं और माधर गांव से कांग्रेस पार्टी के नेता जीत देसाई, दिलीपभाई देसाई और अन्य कांग्रेस पार्टी के नेता बड़ी संख्या में उपस्थित थे और अपनी सदस्यता दर्ज की।

सरथाणा में पिता ने 10 साल की अपनी मासूम बेटी से किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

सूरत।

शहर के सरथाणा से मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जिसमें दुष्कर्मी और कोई नहीं 10 साल की मासूम बच्ची का पिता निकला। दुष्कर्म पीड़ित बच्ची का सूरत के स्मीमेर अस्पताल में उपचार चल रहा है, दूसरी ओर पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। सूरत के सरथाणा क्षेत्र के श्यामधाम मंदिर के निकट रहनेवाला युवक अपनी पत्नी के साथ 10 साल की बच्ची को लहुलूहान हालत में लेकर स्मीमेर अस्पताल पहुंचा। जहां युवक ने डॉक्टर को बताया कि उसकी बेटी के साथ कोई अज्ञात शख्स दुष्कर्म कर फरार हो गया है। बच्ची के गुप्तांग से लहू निकल रहा था, जिससे डॉक्टर ने तुरंत उसका उपचार कर दिया। बच्ची के गुप्तांग में चोट लगने की वजह से डॉक्टर ने ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू शिफ्ट कर दिया। दूसरी ओर सूचना मिलते ही पुलिस भी हरकत में आ गई और मामले की जांच शुरू कर दी। देर रात पुलिस ने बच्ची के माता-पिता से पूछताछ की। जिसमें दंपत्ति ने बताया कि वह दोनों काम पर गए थे, तब कोई अज्ञात शख्स उनके घर में घुस आया। जहां अन्य दो बच्चों को घर से बाहर भेज दिया और उसके बाद मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने पोक्सो के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। देर रात सरथाणा पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और आसपास लगे सीसीटीवी फूटेज खंगालने लगी। जिसमें पीड़ित बच्ची के पिता की संदिग्ध हरकतें देख पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। पुलिस की सख्ती के आगे आरोपी टूट गया और कबूल कर लिया कि उसने ही अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म किया था। दूसरी ओर बच्ची ने पुलिस को बताया कि पिता ने उसके साथ दुष्कर्म किया था और उसके द्वारा बनाई गई कहानी डॉक्टर और पुलिस बताने की धमकी दी थी। जानकारी के मुताबिक हवसखोर पिता ने एक सप्ताह पहले भी बच्ची के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया था। लेकिन उस वक्त मासूम बच्ची घर से बाहर की ओर भाग गई और पिता की वासना का शिकार होनेसे बच गई। इस बारे में बच्ची ने जब अपनी माता से इसकी शिकायत की तो उसने कहा कि तेरे पिता ऐसा काम नहीं कर सकते। अगर माता ने उस वक्त बेटी की बातों पर विश्वास कर लिया होता तो आज वह अपने बाप की हवस का शिकार नहीं होती। फिलहाल पुलिस आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही कर रही है।

पशुओं के घर बैठे उपचार के लिए राज्यभर में 460 मोबाइल पशु अस्पताल कार्यरत : पशुपालन मंत्री

अहमदाबाद।

पशुपालन मंत्री राघवजी पटेल ने आज बताया कि घर बैठे पशुओं के उपचार के लिए राज्यभर में 460 मोबाइल पशु अस्पताल कार्यरत हैं। राज्य विधानसभा में सुरेन्द्रनगर जिले में कार्यरत पशु अस्पताल के प्रश्न के प्रत्युत्तर में राघवजी पटेल ने बताया कि सुरेन्द्रनगर जिले में 20 पशु अस्पताल कार्यरत हैं, जिसके जरिए पिछले दो साल में 74656 पशुओं का उपचार किया गया है। प्रति 10 गांव एक पशु अस्पताल योजना के अंतर्गत घर बैठे पशुओं को उपचार मुहैया कराने के लिए मोबाइल अस्पताल शुरू किए गए हैं और इस योजना को व्यापक प्रतिसाद मिल रहा है। समग्र योजना के तहत अस्पताल जीवीके-ईएमआरआई द्वारा जीपीएस सिस्टम लैस की गई है, जिसका सीएम डेश बोर्ड द्वारा रियल टाइम मोनिटरिंग किया जाता है। इस अस्पताल के जरिए रविवार को छोड़ सुबह । बजे से शाम । बजेक मुफ्त में पशुओं का उपचार किया जाता है। इसके अंतर्गत 4500 से भी अधिक गांवों को लाभ मिल रहा है। आपात स्थिति में पशुओं को उपचार मुहैया कराने के लिए सरकार ने 1962 टोल फ्री नंबर भी कार्यरत किया है, जिसके जरिए भी पशुओं का उपचार किया जाता है। इस योजना में राज्य के सभी इलाकों का समावेश किया गया है और आदिजाति और पिछड़े इलाकों पर खास ध्यान दिया जाता है। पशुपालन मंत्री ने कहा कि करुणा एम्ब्युलैंस के माध्यम से घायल या बीमार पक्षियों का उपचार कर उनकी जान बचाई जाती है। उन्होंने पशु अस्पताल के महकमे की जानकारी देते हुए कहा कि जूनागढ़ जिले में पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 27, ड्रेसर वर्ग-4 के 60 और चपरासी/अटेन्डन्ट वर्ग-4 के 20 पद हैं। जबकि राजकोट जिले में पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 28, ड्रेसर वर्ग-4 के 11 और चपरासी/अटेन्डन्ट वर्ग-4 के 15 पद हैं। गुजरात सार्वजनिक सेवा आयोग द्वारा पशु चिकित्सा अधिकारी वर्ग-2 के 170 जितने पदों पर जल्द से जल्द भर्ती कर राज्य में पशु चिकित्सा व्यवस्था को अत्यधिक मजबूत बनाया जाएगा।

मोर्टिन ने 5 साल बाद एक बार फिर पेश किया अपना वर्षों पुराना दुश्मन 'लुई'

दुनिया के प्रमुख पेस्ट कंट्रोल ब्रांडों में से एक, मोर्टिन ने अपने वर्षों पुराने ने मसिस - लुई को अपने नए अवतार लुई द मॉस्किटो के रूप में एक बार फिर से लॉन्च किया है। नया और अधिक पावर फुल ब्रांड मे स्कॉट - लुई पांच साल के बाद भारतीय दर्शकों के लिए फिर से पेश किया गया है।

अपने माता-पिता मार्ग और मोर्ट से जन्मा, लुई 1957 में सबसे पहले एक मक्खी के रूप में अस्तित्व में आया था। वह एक बुरी, मतलबी और पावरफुल गंदी मक्खी के रूप में जाना जाता था। यह मक्खी बहुत ही आसानी से बीमारी फैलाती थी। मोर्टिन ने कीड़ों और मच्छरों से पैदा होने वाली बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 2004 में भारत में लुईद मॉस्किटो को लॉन्च किया था। यह जेफ्री मॉर्ग नपाइक द्वारा ड्रॉ और एनिमेट किए गए लुईद फ्लाई का एक बदला हुआ स्वरूप है। लुईक ईएनिमेटेड टीवी विज्ञापनों में दिखाई दे चुका है।

वन हेल्थ, वन प्लेनेट, वन फ्यूचर के लिए मोर्टिन की प्रतिबद्धता के साथ, यह 2030 तक भारत को मलेरिया मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। आज के समय में 95त्न से अधिक भारतीय आबादी को मच्छर से पैदा होने वाली बीमारियों की चपेट में आने का खतरा है, लुई की वापसी से मोर्टिन को इन कीड़ों के बारे में अधिक जागरूकता पैदा करने के लिए आज के युवाओं तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

एक बार फिर इसे लॉन्च करने पर बात करते हुए, श्री सौरभ जैन, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, हाईजीन, रेकिट- साउथ एशिया ने कहा, "मच्छर दिनों दिन स्ट्रांग हो रहे हैं; उनके खतरे ने पिछले कुछ वर्षों में वेक्टर जनित रोगों के प्रसार में भारी वृद्धि की है। हम पहले से जिद्दी हो चुके और बीमारी का कारण बने कीटों और मच्छरों के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करने के लिए लुई को वापस ला रहे हैं। हमारी कोशिश है कि ग्राहक इसमे स्कॉट के साथ कनेक्ट हों; इसके लिए मोर्टिन का वर्षों पुराना नेमसिस और लोकप्रिय खलनायक 'लुई' नए टेलीविजन विज्ञापन में कीटों के नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हुए अपना लोकप्रिय जिंगल मजेदार तरीके से गाता नजर आएगा। इससे 2030 तक च्भारत को मलेरिया मुक्त बनाने' के हमारे मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी।"

चाय पीला एप्लीकेशन और ऑटोमेटिक थर्मस की लॉन्चिंग के लिए कार्यक्रम आयोजित

सूरत भूमि, सूरत

चाय पिला कंपनी की डिजिटल एप्लीकेशन और चाय के लिए खास डिजाइन किए गए अत्यंत स्वचालित थर्मस की लॉन्चिंग इवेंट की घोषणा करते हुए रोमांचित है।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री माननीय पुरुषोत्तम रुपाला (मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्रालय) माननीय हिमालयन भूखा वाला मेंयर सूरत और अन्य प्रतिनिधियों के हाथों हुआ।

हमारी अवधारणा में हमने एक थर्मस विकसित किया है जो अद्वितीय और दुनिया में पहला है जहां थर्मस में एक इनबिल्ट बारकोड रीडर होगा और हमारी चाय पिला टिकप इस समय के दौरान उपलब्ध होगा। ताय पीला टीकप को थर्मस के नीचे रखें और आगे उल्लेख किया गया है इस तरह से स्वच्छता सलामती और समान स्वाद बनाए रखने के लिए जहां चाहे वहां हर जगह चाय को समान मात्रा और गुणवत्ता के साथ परोसे। इस अनोखे विचार के साथ कंपनी ने अपनी चाय पिला ऐप भी लांच की जहां ग्राहक इस ऐप को डाउनलोड करके अपनी चाय ऑर्डर कर सकता है और उन्हें उनकी चाय 5 मिनट के अंदर मिल जाएगी।

चाय पिला कंपनी अगस्त 2021 में भारत में हर चाय प्रेमी को चाय पहुंचाने के उद्देश्य से शुरुआत की और आत्मनिर्भर भारत द्वारा संचालित इस के सतत विकास के लिए रोजगार प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित है। इस अवधारणा को बुनियादी चाय, अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ भोजन, अच्छा वातावरण सेवा और आतिथ्य प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)